Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 259 | सोमवार, 28 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में नहीं गए कांग्रेसी और सपाई, भय था कि कहीं जालीदार टोपी न छिटक जाए: मुख्यमंत्री

रामकाज में कालेनमि भी घुसेंगे, इनसे सावधान रहने की जरूरत: सीएम योगी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम मंदिर के शिलान्यास व रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आमंत्रण के बावजूद कांग्रेसी व सपाई नहीं गए, क्योंकि उन्हें वोटबैंक दिखाई देता था। इन्हें भय था कि कहीं जालीदार टोपी छिटक न जाए। सीएम ने चेताया कि रामकाज में कालनेमि भी घुसेंगे, इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री रविवार को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंहल के जन्मशताब्दी वर्ष (1926-2026) के उद्घाटन अवसर पर जन समूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सीएमएस स्कूल, गोमतीनगर विस्तार में आयोजित समारोह में अशोक सिंहल के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। सीएम ने कहा कि सिंहल जी ने श्रीराम जन्मभूमि के 'प्राण' के रूप में अपना जीवन समर्पित किया था। उन्होंने जो ज्वाला प्रज्ज्वलित की थी, वह रामजन्मभूमि मात्र के लिए नहीं है, बल्कि हर मानबिंदु की प्राण प्रतिष्ठा के लिए है। गुलामी के हर चिह्नों को समाप्त करने के लिए हमें एकजुट होकर कार्य करना है।

अयोध्या को अपमानित करने वाले हमसे पूछ रहे प्रश्न

सीएम ने कहा कि रामजन्मभूमि का मामला जब न्यायालय में पहुंचा तो अशोक जी की टीम में तथ्यों व प्रमाण के साथ अधिवक्ता, पुरातत्वविद, विषय विशेषज्ञ होते थे तो दूसरी तरफ कांग्रेस, सपाइयों व वामपंथियों के अनर्गल प्रलाप व झूठे तथ्य होते थे। वे साजिश करते थे कि राममंदिर के पक्ष में फैसला न आए। कांग्रेस ने उच्चतम न्यायालय में शपथपत्र दिया था कि राम-कृष्ण का कोई वजूद नहीं है। जिन्होंने हिंदु समाज को अपमानित किया, वे लोग हमसे अयोध्या के बारे में प्रश्न पूछ रहे हैं।

देश, सनातन और हिंदू समाज की सुरक्षा के लिए अशोक जी का सर्वस्व समर्पित था

सीएम योगी ने कहा कि अशोक जी ने जिस ज्योति को 1980 के दशक में प्रज्वलित किया था, वह ज्वाला बनकर सकल हिंदू समाज के संरक्षण व संवर्धन के लिए अहर्निश लगी हुई है। अशोक जी से कोई जीवन का उद्देश्य पूछता था तो वह कहते थे कि तन समर्पित, मन समर्पित और यह जीवन समर्पित, चाहता हूं देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूं। यह भाव अपने लिए नहीं बल्कि देश, सनातन, एकता-अखंडता और सकल हिंदू समाज की सुरक्षा के लिए था।

बाबर के भक्तों की साजिशों को नाकाम करेंगे बजरंगबली के भक्त

सीएम ने आरोप लगाया कि रामद्रोही अयोध्या को बदनाम करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते। राममंदिर का विरोध और रामभक्तों पर गोलियां चलाने वाले गाहे-बगाहे अपने को राम भक्त ठहराने का प्रयास कर रहे हैं, यह विश्व हिंदू परिषद की वैचारिक विजय है। उन्होंने बजरंगियों को चेताया कि रामकाज में कालनेमि भी घुसेंगे, इनसे सावधान रहना। बाबर के भक्त आपको अपमानित करने का प्रयास करेंगे, लेकिन बजरंग बली के भक्तों को इनकी साजिश को सफल नहीं होने देना है।

सनातन की सुरक्षा से किसी को छेड़छाड़ नहीं करने देंगे

मुख्यमंत्री ने अशोक सिंहल के जीवन को याद करते हुए कहा कि काशी हिंदू विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग करने के दौरान वह आरएसएस के संपर्क में आए। उन्होंने देश व सनातन धर्म के लिए जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने आरएसएस के प्रचारक-कार्यकर्ता के रूप में काम किया। उस समय कोई मानने को तैयार नहीं था कि भारतीय जनसंघ आएगा और केंद्र-राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी। उनका एक ही ध्येय था कि सनातन धर्म पर आंच नहीं आने देंगे और इसकी सुरक्षा से किसी को छेड़छाड़ नहीं करने देंगे।

500 वर्ष तक चुप नहीं बैठा समाज

सीएम योगी ने कहा कि 1528 में प्रभु श्रीराम के मंदिर को तोड़कर विदेशी आक्रांता ने गुलामी का ढांचा बना दिया। इस 500 वर्ष में हिंदू समाज, धमार्चार्य, संत, नागा, सिखवीर, युवा, नारी, राजा कोई चुप नहीं बैठा। हर व्यक्ति निरंतर सिर पर कफन बांधकर रामजन्मभूमि की मुक्ति के लिए टूट पड़ता था। वे रामजन्मभूमि के लिए बलिदान देते रहे।

जनगणना, 9/11 और सर्जिकल स्ट्राइक: मन की बात में पीएम मोदी ने इन मुद्दों पर की बात

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में देश और विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा किए। इस दौरान उन्होंने जनगणना, देश के दुर्गम इलाकों में चल रहे सर्वेक्षण, 9/11 आतंकी हमले की 25वीं बरसी और भारत में आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए कदमों का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि इन दिनों देश की एक बहुत बड़ी तस्वीर तैयार हो रही है, जिसमें हर नागरिक, हर परिवार और उसके आसपास के लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'मैं भारत की जनगणना की बात कर रहा हूं।' प्रधानमंत्री के मुताबिक, देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जनगणना का पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है। अब तक 32 करोड़ से ज्यादा परिवारों की जानकारी दर्ज की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के दुर्गम और बर्फीले इलाकों में भी जनगणना का काम जारी है। पीएम मोदी ने उत्तराखंड में जनगणना की शुरूआत से जुड़े अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि राज्य में जनगणना की शुरूआत चमोली के माणा गांव से हुई, जिसे देश का पहला गांव कहा जाता है। उन्होंने बताया कि माणा में सबसे पहले 83 वर्षीय पूर्णिमा रावत से जनगणना की प्रक्रिया शुरू हुई। वहीं, उत्तरकाशी के बगोरी गांव में होमस्टे चलाने वाले हरदेव सिंह राणा ने डिजिटल माध्यम से अपनी जानकारी खुद दर्ज की। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब तक मोबाइल के जरिए 2 करोड़ 60 लाख से ज्यादा लोग जनगणना पोर्टल पर अपनी जानकारी भर चुके हैं और खुद जनगणना कर चुके हैं। उन्होंने लोगों से जनगणना में हिस्सा लेने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा कि इसमें थोड़ा समय जरूर लगेगा, लेकिन लोगों की सही जानकारी देश के भविष्य की सही तस्वीर तैयार करने में मदद करेगी। पीएम मोदी ने नशामुक्ति अभियान पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की लत से बाहर निकालना है। उन्होंने युवाओं को नशे की लत से बाहर निकलने का संकल्प दिलाया। प्रधानमंत्री ने अपील की कि जो युवा नशे की लत में फंसे हैं, वे इससे बाहर निकलें।

साहित्यकार ओम प्रकाश झा बोले, राष्ट्रीय एकता का सशक्त संदेश देती हैं दीनदयाल की पुस्तकें

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुपरिचित साहित्यकार डॉ. ओम प्रकाश झा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा लिखित 'जगद्गुरु श्रीशंकराचार्य' एवं 'सम्राट चन्द्रगुप्त' पुस्तकें उत्कृष्ट ऐतिहासिक रचनाएं हैं। दोनों पुस्तकें कलेवर में भले ही छोटी हैं, लेकिन इसका संदेश महत्वपूर्ण है कि राष्ट्र की एकता सर्वोपरि है। इन्हें शैक्षिक पाठ्यक्रमों में शामिल करना चाहिए ताकि विद्यार्थियों में चरित्र-निर्माण, राष्ट्रबोध और नैतिक मूल्य प्रखर हो सकें। वे अखिल भारतीय साहित्य परिषद् से संबद्ध इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती द्वारा शनिवार को नई दिल्ली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा लिखित 'जगद्गुरु श्रीशंकराचार्य' एवं 'सम्राट चन्द्रगुप्त' पुस्तकों पर आयोजित चर्चा में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। झा ने कहा कि दीनदयालजी द्वारा लिखित 'जगद्गुरु श्रीशंकराचार्य' पुस्तक महान दार्शनिक आदिशंकराचार्य के प्रेरक जीवन पर आधारित है। देश की विविधता में एकता स्थापित करने के लिए शंकराचार्य ने भारत के चारों कोनों में चार प्रसिद्ध मठों की स्थापना की। जब देश राजनीतिक रूप से बिखरा हुआ था, तब शंकराचार्य ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के माध्यम से पूरे भारत को जोड़ा। वहीं, 'सम्राट चन्द्रगुप्त' पुस्तक में चाणक्य के कुशल मार्गदर्शन और चन्द्रगुप्त के अटूट राष्ट्रप्रेम को दशार्या गया है।

सुपरिचित लेखक चन्दन कुमार ने कहा कि 'जगद्गुरु श्रीशंकराचार्य' पुस्तक समाज को एक सूत्र में पिरोने का एक शाश्वत और जीवंत दस्तावेज है। वहीं, 'सम्राट चन्द्रगुप्त' पुस्तक में चाणक्य चन्द्रगुप्त से स्पष्ट कहते हैं कि राष्ट्रहित के सामने राजा का कोई मूल्य नहीं है।

राजा राष्ट्र के लिए होता है, राष्ट्र राजा के लिए नहीं। दीनदयालजी ने

अमित शाह ने रवाना की देश की पहली एलएनजी ट्रेन, 1,500 करोड़ से ज्यादा की रेल परियोजनाओं का शुभारंभ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के साबरमती रेलवे स्टेशन से देश की पहली एलएनजी से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान साबरमती डिवीजन की कई रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और शुभारंभ भी किया गया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 1,500 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

इन परियोजनाओं में डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव रखरखाव शेड, स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली, कवच सुरक्षा प्रणाली और साबरमती-सरखेज रेल लाइन का दोहरीकरण शामिल है। अमित शाह ने इस दौरान रेलवे के बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और नई तकनीक के इस्तेमाल पर भी बात की।

साबरमती स्टेशन के बदलाव पर बोले अमित शाह

अमित शाह ने कहा कि दिल्ली से यात्रा करते समय वह कई बार साबरमती रेलवे स्टेशन पर उतर चुके हैं। लंबे समय बाद साबरमती स्टेशन में हुए बदलाव का जिक्र करते हुए उन्होंने रेलवे के अधिकारियों और पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'साबरमती रेलवे डिवीजन से लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तक पूरी टीम को मेरी हार्दिक बधाई। इतने लंबे समय बाद साबरमती स्टेशन को इस रूप में देखना बेहद खास है।'

700 करोड़ रुपये से बना डब्ल्यूएजी-12 रखरखाव शेड

अमित शाह ने बताया कि करीब 700 करोड़ रुपये की लागत से साबरमती में डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव रखरखाव शेड तैयार किया गया है। यह शेड 300 डब्ल्यूएजी-12 उच्च क्षमता वाले बिजली से चलने वाले रेल इंजनों के रखरखाव के लिए बनाया गया है। डब्ल्यूएजी-12 इंजन करीब 12,000 हॉर्स पावर की क्षमता वाला है और भारी तथा लंबी मालगाड़ियों को चलाने के लिए बनाया गया है। अमित शाह ने इसे रेलवे के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

माल ढुलाई में बढ़ेगी क्षमता

अमित शाह ने कहा कि डब्ल्यूएजी-12 इंजन भारी मात्रा में माल ढोने में सक्षम है। उनके अनुसार, एक डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव करीब 600 ट्रकों के बराबर माल ढोने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि पहले भारी माल ढुलाई के लिए दो लोकोमोटिव लगाने पड़ते थे, लेकिन अब एक डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव यह काम कर सकता है।

कवच और सिग्नलिंग से जुड़े काम

साबरमती से जुड़े रेलखंडों पर कवच और स्वचालित सिग्नलिंग से जुड़े काम भी परियोजनाओं का हिस्सा हैं। अहमदाबाद-पालनपुर और अहमदाबाद-सामाखियाली रेलखंड पर करीब 404 किलोमीटर के हिस्से में कवच प्रणाली लगाने की योजना है, जिसकी अनुमानित लागत करीब 411 करोड़ रुपये है। वहीं, साबरमती-कलोल-भांडू मोटीदाऊ और साबरमती-साणंद-जखवाड़ा रेलखंड पर 122.57 किलोमीटर में स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली शुरू की गई है। इसकी लागत करीब 118.83 करोड़ रुपये बताई गई है। यह प्रणाली ट्रेनों के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखने और रेल मार्ग की क्षमता बढ़ाने में मदद करती है।

एनईईटी पेपर लीक का असर: एनटीए के गोपनीय परीक्षा वाले इलाकों की सुरक्षा करेगी सीआईएसएफ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी अपने परीक्षा से जुडे.कामों की सुरक्षा कर दी है और नई दिल्ली ऑफिस में 39 CISF जवानों को तैनात किया है। यह फोर्स गोपनीय इलाकों पर नजर रखेगी, आने-जाने वालों को कंट्रोल करेगी और स्टाफ व विजिटर्स की जांच करेगी। यह कदम पेपर लीक और एडमिनिस्ट्रेटिव कमियों, जिसमे संवेदनशील परीक्षा सामग्री को संभालने में हुई गड़बड़ियां भी शामिल हैं, पर बार-बार उठ रहे सवालों के बाद उठाया गया है। CISF जवानों को मिंटो रोड पर गवर्नमेंट ऑफ इंडिया प्रेस बिल्डिंग में गोपनीय इलाकों के एंट्री और एग्जिट प्वॉइंट पर तैनात किया गया है। वे एक्सेस-कंट्रोल और स्क्रीनिंग का काम करेंगे, जिसमें एक्स-रे बैगेज स्क्रीनिंग मशीनों और डोर फ्रेम मेडल डिटेक्टर से तलाशी लेना शामिल है। NTA ने अपनी नई बिल्डिंग में गोपनीय इलाकों को भी अलग से चिह्नित किया है। परीक्षा सामग्री तक अनधिकृत पहुंच को रोकने की कोशिशों के तहत इन इलाकों में आवाजाही और कामकाज पर कड़ी नजर रखी जाएगी। एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि बिल्डिंग में गोपनीय इलाके चिह्नित किए गए हैं, जहां आवाजाही और कामकाज पर कड़ी नजर रखी जाएगी ताकि यह पक्का किया जा सके कि एक फूलप्रूफ सिस्टम काम कर रहा है।

तिलक नगर थप्पड़ विवाद पर प्रवेश वर्मा की सफाई, जरनैल सिंह पर लगाए गंभीर आरोप

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के तिलक नगर में सड़क निरीक्षण के दौरान एक स्थानीय युवक को थप्पड़ मारने के वीडियो पर दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने सफाई दी है। उन्होंने आम आदमी पार्टी की ओर से शेयर किए जा रहे वीडियो को लेकर अपनी बात रखी और पूरे विवाद की वजह बताई।

प्रवेश वर्मा ने कहा, 'आपको आम आदमी पार्टी की ओर से इस समय शेयर किए जा रहे वीडियो के पीछे की सच्चाई पता होनी चाहिए। विकासपुरी रिंग रोड पर पिछले कई दिनों से सड़क बनाने का काम चल रहा है।'

उन्होंने तिलक नगर के स्थानीय विधायक जरनैल सिंह पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह काफी समय से लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के इंजीनियरों पर ठेकेदार से मिलवाने और अपने लिए कमीशन दिलाने का दबाव बना रहे थे।

प्रवेश वर्मा ने कहा, 'हमारे इंजीनियर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है और प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है।' प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया कि जरनैल सिंह को कमीशन नहीं मिलने के कारण वह सुबह सड़क निर्माण वाली जगह पर जाते थे। उनके मुताबिक, सड़क रात में बनाई जाती थी और इसके बाद सुबह जरनैल सिंह वहां जाकर सड़क को कथित तौर पर उखाड़ देते थे। उन्होंने कहा, 'इसके बाद वह वीडियो बनाकर पोस्ट करते थे और दावा करते थे कि वहां भ्रष्टाचार हो रहा है।' प्रवेश वर्मा ने बताया कि आज उस रास्ते से गुजरते समय उन्होंने इंजीनियरों से कहा कि वह खुद सड़क के काम का निरीक्षण करना चाहते हैं।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के दिल्ली आवास के बाहर यूथ कांग्रेस का लाठियों के साथ प्रदर्शन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में संगठन के कार्यकताओं ने शनिवार रात मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास के बाहर प्रदर्शन किया। न्यू मोती बाग इलाके में स्थित कुमार के आवास के निकट हुए इस प्रदर्शन के दौरान चिब और कई अन्य कार्यकताओं ने हाथों में लाठी ले रखी थी। चिब ने कहा कि वह और उनके कार्यकर्ता ज्ञानेश कुमार के घर का बाहर पहरा दे रहे हैं ताकि वह देश छोड़कर भाग नहीं सकें। युवा कांग्रेस की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, चिब ने आरोप लगाया, ''हम उन्हें न तो देश छोड़कर भागने देंगे और न ही दोबारा वोट की डकैती को अंजाम देने देंगे।'' उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस इस मुद्दे पर अपना विरोध जारी रखेगी और ''जब तक लोकतंत्र की डकैती का हिसाब नहीं होता, तब तक हम उन्हें देखते रहेंगे।'' इससे पहले शुक्रवार को युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने निर्वाचन आयोग की ओर मार्च करने का प्रयास किया था।

एलपीयू में बवाल के बाद एफ आईआर और एसआईटी, पांच छात्र भी जांच टीम में शामिल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब के जालंधर की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी है। छात्र अभी भी यूनिवर्सिटी परिसर में इकट्ठा हैं। इस बीच यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों के साथ पुलिस की बैठक चल रही है। छात्रों की ओर से लगाए गए आरोपों के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की जांच के लिए विशेष जांच टीम यानी एसआईटी भी बनाई गई है। इस टीम में पांच छात्रों को शामिल किया गया है। एलपीयू के वाइस चांसलर डॉ. जसपाल सिंह संधू ने कहा, 'पुलिस ने छात्रों के आरोपों के आधार पर एफआईआर दर्ज की है। हर जरूरी मदद दी जाएगी। जांच करने वाली एसआईटी में पांच छात्रों को शामिल किया गया है।' उन्होंने कहा कि अगर घटना सही पाई जाती है, तो उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वाइस चांसलर ने बताया कि छात्रों की कुछ और मांगें भी हैं, जिनमें जरूरी सुविधाओं से जुड़ी मांगें शामिल हैं। इन पर यूनिवर्सिटी प्रशासन के अधिकारी बैठकर चर्चा करेंगे। जालंधर रेंज के डीआईजी नवीन सिंगला ने बताया कि छात्रों की कुछ मांगें हैं और फिलहाल यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों के साथ अंदर बैठक चल रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगों में हॉस्टल और दूसरे सामान्य मुद्दों से जुड़ी मांगें शामिल हैं, जिन पर चर्चा की जा रही है। डीआईजी ने कहा, 'हमने एफआईआर दर्ज कर ली है और एसआईटी बना दी है।

संपादक की कलम

खेतों के नीचे सूखता भारत

ललित शर्मा
संपादक

भारत की कृषि उपलब्धियों की चमक के पीछे एक गंभीर सच्चाई छिपी है—भूजल का तेजी से ह्रास। देश की सिंचाई का 78 प्रतिशत से अधिक हिस्सा भूजल पर निर्भर है और कृषि क्षेत्र भूजल निकासी का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा अपने पास समेटे हुए है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे कृषि प्रधान राज्यों में भूजल निकासी वार्षिक रीचार्ज से कहीं अधिक हो गई है; पंजाब में तो यह दर 152 प्रतिशत तक पहुँच गई है। यह स्थिति न केवल दीर्घकालिक कृषि स्थिरता को खतरे में डाल रही है, बल्कि ग्रामीण असमानता, ऊर्जा की बढ़ती मांग और पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण जैसे गंभीर परिणाम भी पैदा कर रही है। इस संकट की जड़ें संरचनात्मक नीतियों और प्रोत्साहनों में निहित हैं। हरित क्रांति के बाद से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और सरकारी खरीद की गारंटी ने किसानों को गेहूं-धान की एकाधिकार खेती की ओर धकेला, खासकर पंजाब और हरियाणा में। धान जैसी जल-गहन फसलें, जो स्थानीय जलवायु के अनुकूल भी नहीं हैं, बड़े पैमाने पर उगाई जाने लगीं क्योंकि बाजार और नीतियां इन्हें पुरस्कृत करती रहीं। इसके साथ ही कृषि के लिए मुफ्त या भारी सब्सिडी वाली बिजली ने पंपिंग लागत को नगण्य बना दिया, जिससे किसानों के लिए अतिरिक्त भूजल निकालने की सीमांत लागत शून्य हो गई और अंधाधुंध निकासी को प्रोत्साहन मिला। ट्यूबवेल और निजी बोरवेल का तेज विस्तार, कमजोर विनियमन और सामुदायिक स्तर पर प्रबंधन की कमी ने इस स्थिति को और बिगाड़ दिया। सिंचाई पद्धतियां भी समस्या को बढ़ावा देती हैं। परंपरागत बाढ़ सिंचाई आज भी व्यापक है, जिसमें पानी की बर्बादी अधिक और दक्षता कम होती है। माइक्रो-इरिगेशन (ड्रिप और स्प्रिंकलर) को बढ़ावा देने वाली योजनाएं मौजूद हैं, पर छोटे किसानों के लिए उच्च प्रारंभिक लागत और रखरखाव की चिंताएं अपनाने की दर को सीमित करती हैं। जलवायु परिवर्तन की अनिश्चितता और मानसून की अनियमितता ने किसानों को भूजल पर और अधिक निर्भर बना दिया है। इस संकट के परिणाम खेतों से कहीं अधिक व्यापक हैं। गिरते जल स्तर के कारण किसानों को गहरे बोरवेल लगाने और अधिक शक्तिशाली पंप स्थापित करने पड़ते हैं, जिससे सिंचाई की लागत बढ़ती है और छोटे व सीमांत किसान असमानुपातिक रूप से प्रभावित होते हैं। गहरे स्तर से पानी निकालने के लिए अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जिससे जल-ऊर्जा संबंध और तंग होता है। पारिस्थितिक दृष्टि से अति-निकासी भूमि के धंसने, तटीय क्षेत्रों में लवणीयता के प्रवेश और जल गुणवत्ता के दीर्घकालिक क्षरण का जोखिम पैदा करती है। सामाजिक स्तर पर जल की कमी कृषि, उद्योग और घरेलू उपयोग के बीच तथा साझा नदी बेसिन वाले राज्यों के बीच संघर्ष को बढ़ावा देती है। आर्थिक रूप से सिंचाई की बढ़ती लागत खेत की लाभप्रदता को कम करती है। इस चुनौती का समाधान केवल तकनीकी सुधारों से नहीं, बल्कि प्रोत्साहनों, संस्थानों और प्रथाओं को पारिस्थितिकीय सीमाओं के अनुरूप पुनर्संरेखित करने से ही संभव है। सबसे पहले, फसल विविधीकरण को नारे से रणनीति में बदलना होगा। पंजाब और हरियाणा में धान की खेती उसी तरह नहीं चल सकती जैसे बंगाल या असम में; मक्का, दलहन, तिलहन और बागवानी जैसी कम जल-गहन फसलों को समान बाजार गारंटी, प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे और मूल्य समर्थन के साथ बढ़ावा देना होगा। बिना आर्थिक व्यवहार्यता के विविधीकरण केवल कागज पर ही रहेगा। दूसरा, सिंचाई दक्षता का तेजी से विस्तार आवश्यक है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' घटक ने छोटे किसानों के लिए 55 प्रतिशत तक सब्सिडी के साथ ड्रिप और स्प्रिंकलर प्रणालियों को बढ़ावा दिया है, पर कवरेज अभी भी सीमित है।

आधुनिक जीवनशैली के आघात से हृदय की रक्षा जरूरी

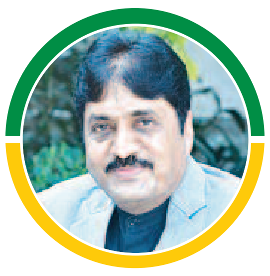

ललित गर्ग
लेखक

हृदय केवल शरीर का एक अंग नहीं, जीवन की धड़कन है। जब तक दिल धड़कता है, तब तक जीवन में उम्मीद, संवेदना, प्रेम और कर्म की संभावनाएं बनी रहती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि आधुनिक सभ्यता ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, पर स्वस्थ और संतुलित बनाने में हम पीछे छूटते जा रहे हैं। हमारी तेज रफ्तार जिंदगी, तनाव, अनियमित दिनचर्या, खान-पान की बदलती आदतें, शारीरिक निष्क्रियता और निरंतर बढ़ती मानसिक बेचैनी हृदय पर ऐसा दबाव डाल रही हैं, जिसका परिणाम हृदय रोगों के बढ़ते खतरे के रूप में सामने आ रहा है।

हर वर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। विश्व हृदय महासंघ के अनुसार हृदय एवं रक्तवाहिका संबंधी रोग दुनिया में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हैं और प्रतिवर्ष लगभग दो करोड़ लोगों की मृत्यु इन रोगों से होती है। वर्ष 2026 के विश्व हृदय दिवस का संदेश है—'हृदय रोग कई बार सामने दिखाई नहीं देता, इसलिए उसके संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

मैंने अपने पूर्व के आलेख 'भारतीय दिल खतरे में' और हृदय स्वास्थ्य से जुड़े अन्य लेखों में बार-बार इस चिंता को व्यक्त किया है कि भारतीय समाज में बदलती जीवनशैली हमारे दिल के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। आज यह चिंता और अधिक प्रासंगिक हो गई है। हमारे आसपास ऐसे अनेक युवा दिखाई देते हैं जो कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। प्रश्न केवल यह नहीं कि हृदय रोग क्यों बढ़ रहे हैं, प्रश्न यह भी है कि हमने अपनी जीवनशैली को हृदय के विरुद्ध क्यों बना दिया है?

आज सुविधा ने श्रम को कम कर दिया है। घंटों बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर लगातार सक्रिय रहना, पैदल चलने की आदत का कम होना, देर रात तक जागना और सुबह की प्राकृतिक लय से दूर होना शरीर की जैविक व्यवस्था को प्रभावित करता है। दूसरी ओर स्वाद और सुविधा के नाम पर अत्यधिक नमक, चीनी, वसा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू, मोटापा, उच्च रक्तचाप, बढ़ी हुई रक्तशर्करा

और रक्त में वसा को हृदय रोग के प्रमुख जोखिम कारकों में गिनता है।

लेकिन हृदय का संकट केवल भोजन और व्यायाम का संकट नहीं है। यह मन का संकट भी है। तनाव, प्रतिस्पर्धा, असंतोष, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता और हर समय आगे निकलने की बेचैनी व्यक्ति के भीतर निरंतर मानसिक दबाव पैदा करती है। भौतिक उपलब्धियां बढ़ती जाती हैं, लेकिन मानसिक शांति घटती जाती है। हमने मकानों को बड़ा किया, लेकिन मन को छोटा कर लिया; साधन बढ़ाए, लेकिन संतोष कम कर दिया। यही आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना है।

इसलिए हृदय की चिकित्सा केवल अस्पताल में नहीं, जीवनशैली में भी खोजनी होगी। सुबह की सैर, नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम, ध्यान, पर्याप्त नींद, संतुलित भोजन और नशे से पूर्ण दूरी हृदय की सुरक्षा के सामान्य लेकिन अत्यंत प्रभावी उपाय हैं। भोजन में प्राकृतिक एवं पौष्टिक पदार्थों, फल-सब्जियों और साबुत अनाज को स्थान देना तथा अत्यधिक नमक, चीनी और संतृप्त वसा को सीमित करना जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जीवनशैली में ऐसे बदलाव तथा उच्च रक्तचाप, मधुमेह और रक्त में बढ़े वसा का समय रहते उपचार हृदयाघात और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है—समय रहते जांच। हृदय रोग कई बार अचानक सामने आता हुआ दिखाई देता है, जबकि उसके जोखिम कारक वर्षों से शरीर में विकसित हो रहे होते हैं। रक्तचाप, रक्तशर्करा, कोलेस्ट्रॉल, वजन और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अन्य जांचों को उम्र और जोखिम के अनुरूप नियमित रूप से कराना चाहिए। सीने में दबाव या दर्द, सांस फूलना, असामान्य पसीना, चक्कर या दर्द का हाथ, कंधे, पीठ अथवा जबड़े तक जाना जैसे संकेतों को सामान्य थकान मानकर टालना खतरनाक हो सकता है। हृदयाघात में समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है; शीघ्र चिकित्सा सहायता जीवन बचाने में निर्णायक हो सकती है।

यहां चिकित्सा विज्ञान के सामने भी एक बड़ी जिम्मेदारी है। आज जब हृदय रोग समाज के इतने बड़े हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं, तब हमें और अधिक सुलभ, सस्ती, शीघ्र पहचान करने वाली और प्रभावी स्वास्थ्य-तकनीकों की आवश्यकता है। ऐसी जांच-पद्धतियां विकसित हों जो प्रारंभिक अवस्था में हृदय संबंधी जोखिमों की पहचान कर सकें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य, दूरस्थ चिकित्सा, पहनने योग्य स्वास्थ्य उपकरणों और आधुनिक निदान तकनीकों का उपयोग आम नागरिक तक पहुंचना चाहिए। चिकित्सा अनुसंधान का लक्ष्य केवल जटिल हृदय रोग का उपचार करना नहीं, बल्कि रोग पैदा होने से पहले उसके खतरे को पहचानना भी होना चाहिए। सरकारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हृदय स्वास्थ्य को केवल अस्पतालों और विशेषज्ञ चिकित्सकों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत बनाकर रक्तचाप, मधुमेह और हृदय जोखिम की नियमित जांच को व्यापक बनाया जाना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में शारीरिक गतिविधि एवं पौष्टिक भोजन को प्रोत्साहन मिले। शहरों में पैदल चलने और साइकिल चलाने के सुरक्षित मार्ग बढ़ें। तंबाकू नियंत्रण, स्वस्थ खाद्य विकल्पों को बढ़ावा, अत्यधिक नमक एवं अस्वास्थ्यकर वसा को कम करने के प्रयास और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण को हृदय स्वास्थ्य की व्यापक नीति का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी जनस्वास्थ्य नीतियों, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और जोखिम कारकों के नियंत्रण को हृदय रोगों की रोकथाम का महत्वपूर्ण आधार मानता है। इसके साथ ही सरकारों को 'हार्ट हेल्थ इंडिया अभियान' जैसे व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों पर विचार करना चाहिए, जिसमें गांव से महानगर तक निःशुल्क या सस्ती हृदय-जांच, रक्तचाप एवं मधुमेह स्क्रीनिंग, जीवनशैली परामर्श, आपातकालीन हृदय उपचार की जानकारी और पुनर्वास सेवाओं को जोड़ा जा सके। कंपनियों और संस्थानों में भी कर्मचारियों के लिए 'हेल्दी हार्ट' कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। सामाजिक संस्थाएं, विद्यालय, धार्मिक संगठन और मीडिया मिलकर इसे जन-आंदोलन का रूप दे सकते हैं। दरअसल, हृदय की रक्षा केवल डॉक्टर की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

आर्थिक विकास का चरित्र: छोटे आँगन, बौने रिश्ते और विकलांग संस्कृति

एनके शर्मा
लेखक

सभ्यता के विकास का मूल्यांकन यदि केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों, आलीशान बंगलों, महँगी गाड़ियों और बैंक खातों में जमा होती संपत्ति से किया जाए, तो निस्संदेह हम स्वयं को एक अत्यंत विकसित समाज घोषित कर सकते हैं। लेकिन यदि विकास की कसौटी मानवीय संवेदनाएँ, पारिवारिक आत्मीयता, सामाजिक उत्तरदायित्व, रिश्तों की पवित्रता और मनुष्य के भीतर जीवित करुणा को बनाया जाए, तो यही समाज अपनी ही उपलब्धियों के मलबे में दबा हुआ दिखाई देता है। यह कैसी विडंबना है कि मनुष्य ने अपने रहने के लिए महल खड़े कर लिए, लेकिन अपने परिजनों के लिए दिल में दो गज जगह भी नहीं बचा पाया। आँगन छोटे हो गए, मकान ऊँचे हो गए, सुविधाएँ बढ़ गईं, लेकिन रिश्तों का कद लगातार बौना होता चला गया। आर्थिक समृद्धि के इस चमकदार मुखौटे के पीछे एक ऐसा अमानवीय चेहरा छिपा है, जहाँ धन की पूजा होती है, संपत्ति के लिए संबंधों की बलि चढ़ाई जाती है और स्वार्थ को सफलता का पर्याय बना दिया गया है।

कभी घर केवल ईंट, पत्थर और सीमेंट से निर्मित कोई संरचना नहीं हुआ करता था। वह भावनाओं का आश्रय, संस्कारों का विद्यालय और पीढ़ियों के अनुभवों का जीवंत संग्रहालय होता था। एक ही आँगन में कई पीढ़ियाँ पलती थीं। बुजुर्गों की छाया में बच्चे संस्कार सीखते थे, भाई एक-दूसरे के सुख-दुःख में सहभागी होते थे और बहन-बेटियों की हँसी से घर की दीवारें भी जीवंत हो उठती थीं। अभाव होते थे, लेकिन अपनापन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध था। आज परिस्थितियाँ उलट गई हैं। घरों में आधुनिक सुविधाओं की भरमार है, लेकिन आत्मीय संवाद का अकाल है। एक ही छत के नीचे रहने वाले लोग एक-दूसरे के लिए अजनबी बन गए हैं। मोबाइल की स्क्रीन पर हजारों मित्र हैं, लेकिन संकट की घड़ी में हाथ थामने वाला अपना कोई नहीं। यह विकास नहीं, मानवीय संबंधों के क्रमिक विघटन की भयावह कहानी है। धन की लालसा ने रिश्तों के बीच ऐसी दीवारें खड़ी कर दी हैं, जिनकी ऊँचाई किसी भी आलीशान इमारत से कम नहीं है। संपत्ति के बँटवारे को लेकर सगे भाई एक-दूसरे के शत्रु बन जाते हैं। जिस माँ ने अपनी संतानों को जन्म देकर, अपने सुखों का त्याग करके और जीवन भर संघर्ष करके उन्हें बड़ा किया, उसी माँ को बुढ़ापे में कभी एक कमरे, कभी दो रोटियों और कभी थोड़े-से समय के लिए तरसना पड़ता है। जिस पिता ने अपनी संतान के भविष्य के लिए अपनी इच्छाओं का गला घोंट दिया, उसी पिता की वृद्धावस्था को कुछ लोग आर्थिक बोझ समझने लगते हैं। जिन हाथों ने कभी बच्चों की उँगली पकड़कर उन्हें चलना सिखाया, उन्हीं काँपते हाथों को वृद्धाश्रम का रास्ता दिखा दिया जाता है। यह कैसी कृतघ्नता है कि जिन माता-पिता ने अपना संपूर्ण जीवन परिवार के नाम कर दिया, उन्हें जीवन के अंतिम पड़ाव पर परिवार में ही पराया बना दिया गया? संपत्ति का मोह मनुष्य की विवेकशीलता को इस सीमा तक निगल रहा है कि रिश्तों की पवित्रता भी अब जमीन, मकान, दुकान और बैंक खातों के सामने तुच्छ प्रतीत होने लगी है। पुश्तैनी संपत्ति के लिए भाई-भाई का गला काटने पर उतारू है। बहन का अधिकार हड़पने के लिए पारिवारिक मयार्दाओं को कुचला जा रहा है। माता-पिता की सेवा का मूल्य उनकी संपत्ति में हिस्सेदारी से आँका जा रहा है। जहाँ कभी परिवार के सदस्य एक-दूसरे के लिए त्याग करने में गर्व अनुभव करते थे, वहाँ आज त्याग को मूर्खता और उदारता को कमजोरी समझा जाने लगा है। यह केवल पारिवारिक विघटन नहीं, बल्कि मनुष्य के नैतिक पतन का ऐसा दस्तावेज है, जिस पर आधुनिक समाज को शर्म से सिर झुका लेना चाहिए। आर्थिक विकास का सबसे वीभत्स पक्ष यह है कि उसने आवश्यकताओं और लालसाओं के बीच की सीमा को लगभग समाप्त कर दिया है। आवश्यकता की पूर्ति जीवन को सहज बनाती है, लेकिन असीमित लालसा जीवन को अंतहीन प्रतिस्पर्धा और असंतोष का कारागार बना देती है। आज व्यक्ति अपनी आय से अधिक अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रदर्शन करने में व्यस्त है। महँगे समारोह, दिखावटी विवाह, भव्य जन्मदिन, विलासितापूर्ण जीवनशैली और संपत्ति के सार्वजनिक प्रदर्शन ने सामाजिक संबंधों को भी बाजार की वस्तु बना दिया है। विवाह में प्रेम, समानता और पारिवारिक सामंजस्य से अधिक धन, प्रतिष्ठा और लेन-देन को महत्त्व दिया जाता है। रिश्तों की पहचान अब आत्मीयता से नहीं, बल्कि आर्थिक हैसियत से होने लगी है। जिस समाज में व्यक्ति का सम्मान उसके चरित्र के बजाय उसकी संपत्ति से निर्धारित हो, वहाँ नैतिकता का पतन कोई आश्चर्य नहीं, बल्कि अनिवार्य परिणाम है। इस अमानवीय व्यवस्था का एक और त्रासद पहलू है परिवारों का संकुचन। छोटे परिवारों और स्वतंत्र जीवनशैली को अपने आप में दोषपूर्ण नहीं कहा जा सकता, लेकिन जब निजता के नाम पर उत्तरदायित्व से पलायन और स्वतंत्रता के नाम पर संबंधों की उपेक्षा को उचित ठहराया जाने लगे, तब समस्या गंभीर हो जाती है। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में सीमित होते आँगन केवल भौतिक स्थान की कमी नहीं दशार्ते, बल्कि कई बार उस मानसिकता का भी प्रतीक बन जाते हैं, जिसमें दूसरों के लिए सहनशीलता, समय और संवेदना का स्थान सिकुड़ता जा रहा है। परिवार अब कई बार साझा जीवन का केंद्र नहीं, बल्कि व्यक्तिगत सुविधाओं के प्रबंधन की व्यवस्था बनकर रह गया है। बच्चों के पास महँगे खिलौने हैं, लेकिन माता-पिता का समय नहीं। बुजुर्गों के पास जीवन भर का अनुभव है, लेकिन उसे सुनने वाला कोई नहीं। घरों में संसाधन हैं, पर रिश्तों को जीवित रखने वाली संवेदनाओं का अभाव है। संस्कृति का विकलांग स्वरूप तब और स्पष्ट हो जाता है, जब हम देखते हैं कि परंपराओं का प्रदर्शन तो बढ़ रहा है, लेकिन उनके मूल्यों का पालन घट रहा है। धार्मिक अनुष्ठानों पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन घर के बुजुर्ग की दवा के लिए बहाने बनाए जाते हैं। सामाजिक समारोहों में दान और पुण्य की घोषणाएँ होती हैं, लेकिन अपने ही परिवार के जरूरतमंद सदस्य को सहायता देने में संकोच किया जाता है।

मंचों से संस्कारों की दुहाई दी जाती है, लेकिन व्यवहार में स्वार्थ, छल, अहंकार और संवेदनहीनता का बोलबाला रहता है। यह कैसी संस्कृति है, जिसमें दिखावे के लिए सब कुछ उपलब्ध है, लेकिन आत्मीयता के लिए समय नहीं? संस्कृति का वास्तविक अर्थ परिधान, समारोह, कर्मकांड और परंपराओं का प्रदर्शन नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर करुणा, सहिष्णुता, सत्यनिष्ठा और उत्तरदायित्व का विकास है। इन मूल्यों के बिना सांस्कृतिक वैभव केवल खोखला आवरण है। यह भी स्वीकार करना होगा कि आर्थिक विकास स्वयं इस विघटन का एकमात्र कारण नहीं है। बेहतर आय, शिक्षा, रोजगार, स्वतंत्रता और सम्मानजनक जीवन हर मनुष्य का अधिकार हैं। समस्या तब जन्म लेती है, जब आर्थिक उपलब्धियों को जीवन का अंतिम लक्ष्य बना दिया जाता है और मनुष्य को उसकी उपयोगिता, आय तथा संपत्ति के आधार पर परखा जाने लगता है।

नकली है बरियार

उदय कशोर साह

कविता

मुख्तसर हो गई इन्सान की दुनियाँ
मुख्तसर हो गई जग से सुविचार
मुख्तसर हो गये खून के नाते रिश्ते
मुख्तसर हो गई श्रद्धा के सब द्वार

कहाँ गई आँगन की जीवनदाई तुलसी
कहाँ गये गीता के समृद्ध वो विचार
कहाँ गई पनघट की घूंघट पनहारिण
कहाँ गई भाई बन्धु की प्यारी दरबार

भूल गये सब दादी नानी की कहानी
भूल गये पड़ोसी चाची की वो प्यार
भूल गये सब मेले की बाइषस्कोप
भूल गये गाँव के हाट व बाजार

नकली भेजन भड़काऊ पहनावा
नकल में डूबा शिक्षा का कारोबार
नकल में बह रही पश्चिम की जादू
नकल में डूबा अपना भी घर परिवार

कौन है अब अपना कौन है पराया
कौन है समने खड़ा मेरे साथ मेरे यार
असली नकली में भेद बड़ा पड़ा है
नकली बन गया जग में बरियार

पराली की समस्या का वैज्ञानिक समाधान: किसान और विज्ञान साथ-साथ

डॉ विजय गर्ग
लेखक

पराली जलाना आधुनिक कृषि से जुड़ी सबसे प्रमुख पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक बन गया है, विशेषकर उत्तर भारत के धान-गेहूँ वाले क्षेत्रों में। हर वर्ष धान की कटाई के बाद किसानों के सामने यह कठिन प्रश्न होता है कि अगली फसल की बुवाई से पहले खेत को कम समय और कम लागत में कैसे तैयार किया जाए। दो फसलों के बीच समय कम होने के कारण पराली जलाना कई बार सबसे आसान और तेज विकल्प दिखाई देता है। लेकिन इससे निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण को बढ़ाता है और पर्यावरण के लिए गंभीर चिंताएँ पैदा करता है।

इसलिए पराली की समस्या को केवल किसानों की समस्या या उनकी विफलता के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह कृषि, अर्थव्यवस्था, तकनीक और पर्यावरण से जुड़ी एक जटिल समस्या है। इसका स्थायी समाधान किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, नीति-निमार्ताओं, विश्वविद्यालयों, उद्योगों और स्थानीय समुदायों के सामूहिक प्रयास से ही संभव है। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि किसान पराली क्यों जलाते हैं। धान की कटाई के बाद खेत में बड़ी मात्रा में पुआल और अन्य फसल अवशेष बच जाते हैं। इन्हें हाथ से हटाने के लिए काफी श्रम की आवश्यकता होती है, जबकि बड़ी मात्रा में पराली को एकत्र करना, परिवहन करना और सुरक्षित रखना भी महंगा हो सकता है। इसके साथ ही किसानों के पास गेहूँ की बुवाई के लिए बहुत कम समय होता है। बढ़ती कृषि लागत, मौसम की अनिश्चितता और बाजार की चुनौतियों से जूझ रहे किसान के लिए खेत साफ करने का तेज और कम लागत वाला तरीका आकर्षक लग सकता है। यहीं विज्ञान की भूमिका शुरू होती है—सिर्फ सलाह देने में नहीं, बल्कि व्यावहारिक, सस्ती और आसानी से अपनाई जा सकने वाली तकनीक उपलब्ध कराने में। आधुनिक कृषि मशीनरी पराली को जलाए बिना उसके प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम, हैप्पी

सीडर, सुपर सीडर, मल्चर और अन्य फसल अवशेष प्रबंधन मशीनें पराली को काटने, फैलाने या मिट्टी में मिलाने में सहायता कर सकती हैं। इन तकनीकों से किसान खेत तैयार करने के साथ-साथ जैविक पदार्थ को खेत में बनाए रख सकते हैं। लेकिन तकनीक तभी उपयोगी होती है जब वह किसानों की पहुँच में हो। जो मशीन एक किसान के लिए बहुत महंगी हो सकती है, उसे सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों, कस्टम हायरिंग सेंटरों या गाँव स्तर की मशीनरी बैंकों के माध्यम से साझा किया जा सकता है। इसलिए वैज्ञानिक नवाचार के साथ तकनीक तक पहुँच के नए और सामुदायिक मॉडल भी विकसित करने होंगे। एक अन्य महत्वपूर्ण उपाय इन-सीटू फसल अवशेष प्रबंधन है। इसमें पराली को खेत से बाहर ले जाकर जलाने के बजाय खेत में ही उसका प्रबंधन किया जाता है। उपयुक्त कृषि तकनीकों के माध्यम से पराली को मिट्टी में मिलाया जा सकता है या सतह पर मल्च के रूप में उपयोग किया जा सकता है। समय के साथ जैविक अवशेष मिट्टी में जैविक पदार्थ और पोषक तत्वों के चक्र में योगदान दे सकते हैं। हालांकि, इन तरीकों को स्थानीय मिट्टी, फसल चक्र और सिंचाई की परिस्थितियों के अनुसार अपनाना आवश्यक है। हर क्षेत्र के लिए एक ही तकनीक समान रूप से प्रभावी नहीं हो सकती। विज्ञान कृषि अवशेषों को उपयोगी संसाधन में बदलने में भी मदद कर सकता है। धान की पराली में जैविक पदार्थ होता है और इसका उपयोग बायोमास ऊर्जा, जैव ईंधन, कम्पोस्ट, बायोचार, पैकेजिंग सामग्री, कागज उत्पाद, मशरूम उत्पादन तथा अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों में किया जा सकता है। इसके लिए आर्थिक रूप से व्यवहार्य आपूर्ति श्रृंखला विकसित करना आवश्यक है। यदि किसानों को एकत्र की गई पराली से नियमित आय प्राप्त हो, तो यह धीरे-धीरे निपटान की समस्या से एक मूल्यवान संसाधन में बदल सकती है। परिपत्र कृषि अर्थव्यवस्था की अवधारणा को भी अधिक महत्व देने की आवश्यकता है। फसल अवशेषों को कचरा समझने के बजाय उन्हें कच्चा माल माना जा सकता है। किसान फसल पैदा करता है, पराली किसी अन्य उद्योग के लिए संसाधन बनती है और उससे बने उत्पाद अतिरिक्त आर्थिक मूल्य पैदा करते हैं। ऐसी व्यवस्था खुले में पराली जलाने को कम करने के साथ-साथ ग्रामीण रोजगार के अवसर भी पैदा कर सकती है। साथ ही, अनुसंधान संस्थानों को अधिक तेज, सस्ती और किसान-अनुकूल तकनीकों के विकास पर निरंतर काम करना चाहिए। कृषि विश्वविद्यालयों और वैज्ञानिक संस्थानों को केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित रहने के बजाय वास्तविक खेतों में भी तकनीकों का परीक्षण करना चाहिए। इन परीक्षणों में किसानों की भागीदारी आवश्यक है, क्योंकि किसान ऐसी व्यावहारिक समस्याओं को समझते हैं जो नियंत्रित प्रयोगशाला परिस्थितियों में दिखाई नहीं देतीं। किसानों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। किसान केवल कृषि विज्ञान के लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि नवाचार के भागीदार हैं। मिट्टी, मौसम और स्थानीय कृषि पद्धतियों के बारे में उनका अनुभव वैज्ञानिकों को बेहतर समाधान विकसित करने में मदद कर सकता है। किसानों की आवश्यकताओं को समझे बिना विकसित की गई कोई मशीन या तकनीक कागज पर प्रभावशाली दिख सकती है, लेकिन खेत में सफल न हो। प्रदर्शन खेत इस दूरी को कम कर सकते हैं। जब किसान अपने आसपास किसी किसान को बिना पराली जलाए सफलतापूर्वक फसल अवशेष का प्रबंधन करते देखते हैं, तो नई तकनीक पर उनका विश्वास बढ़ सकता है। किसान से किसान सीखने की प्रक्रिया कई बार केवल तकनीकी निर्देशों से अधिक प्रभावी होती है। आर्थिक प्रोत्साहन भी महत्वपूर्ण हैं। स्वच्छ हवा का लाभ पूरे समाज को मिलता है, इसलिए पर्यावरण संरक्षण की पूरी आर्थिक जिम्मेदारी केवल किसान पर नहीं डाली जा सकती।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

48 घंटे में महिला से चेन स्नैचिंग का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

पलिया पुलिस ने दो चेन स्नैचर और छिनैती का माल खरीदने वाले आरोपी को दबोचा, चेन, मोबाइल, नकदी और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद

वेलकम इंडिया/मोहम्मद असलम

लखीमपुर खीरी। पलिया कोतवाली क्षेत्र में महिला से चेन छीनने की घटना का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस ने वारदात में शामिल बताए जा रहे दो आरोपियों तथा छिनी हुई चेन खरीदने के आरोप में एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से महिला से छीनी गई पीली धातु की चेन, तीन मोबाइल फोन, भारतीय और नेपाली मुद्रा बरामद हुई है। घटना में इस्तेमाल की गई काले रंग की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल को भी पुलिस ने बरामद कर सीज कर दिया है। पुलिस के मुताबिक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में वांछित अपराधियों, वारंटियों और अन्य अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी पलिया के मार्गदर्शन तथा प्रभारी निरीक्षक पलिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महिला से चेन छीनने की घटना की जांच शुरू की। घटना के बाद पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों से सुराग जुटाते हुए आरोपियों की तलाश तेज कर दी।

पुलिस के अनुसार पलिया कोतवाली क्षेत्र के पटिहन में एक महिला से चेन छीनने की घटना हुई थी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने तत्काल जांच शुरू की और आरोपियों की पहचान तथा गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए। पुलिस का दावा है कि जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर टीम ने 27 सितंबर की सुबह घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक तीनों आरोपियों को मानफार्म

जाने वाले रास्ते पर केले के खेत के पास सुबह करीब 7:28 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में शिवा और पवन पर महिला से चेन छीनने की घटना में शामिल होने का आरोप है, जबकि अमरनाथ पर छिनैती का माल खरीदने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से महिला से छीनी गई एक पीली धातु की चेन बरामद की है। इसके अलावा तीन मोबाइल फोन, 590 रुपये भारतीय मुद्रा और 10 रुपये नेपाली मुद्रा भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त काले रंग की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार मोटरसाइकिल का पंजीकरण नंबर यूपी-31-सीसी-5333 है। पुलिस ने बताया कि मामले में पलिया थाने पर दर्ज मु0अ0सं0 288/26, धारा 304(2) बीएनएस में बरामदगी के आधार पर धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। वहीं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज किया गया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में शिवा पुत्र प्रेमचन्द, उम्र करीब 22 वर्ष, निवासी नई बस्ती ढाकिन, थाना पलिया, हाल पता मोहल्ला थारुपुरवा, कस्बा पलिया शामिल है। दूसरा आरोपी पवन पुत्र रामरतन, उम्र करीब 24 वर्ष, निवासी मोहल्ला ढाकिन, थाना पलिया बताया गया है। तीसरे आरोपी की पहचान अमरनाथ पुत्र भरत, उम्र करीब 23 वर्ष, निवासी ग्राम खण्डा, थाना हनुमानगंज, जनपद कुशीनगर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार अमरनाथ वर्तमान में नई बस्ती ढाकिन, पलिया में रह रहा था और उस पर छिनैती का माल खरीदने का आरोप है। पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए आपराधिक इतिहास के अनुसार आरोपी शिवा के खिलाफ थाना गौरीफंटा और पलिया के अलावा बरेली के बारादरी थाने में भी पूर्व में मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ हत्या, साक्ष्य मिटाने, मारपीट, धमकी, गैंगस्टर अधिनियम तथा चेन स्नैचिंग से संबंधित धाराओं में मामले दर्ज रहे हैं। वहीं आरोपी पवन के खिलाफ थाना पलिया और भीरा में पूर्व में मुकदमे दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिस के अनुसार अमरनाथ के खिलाफ फिलहाल इसी मामले से संबंधित मुकदमा दर्ज है। चेन स्नैचिंग की घटना का खुलासा करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक झारिया सिंह, हेड कांस्टेबल जयप्रकाश यादव, हेड कांस्टेबल अनुज कुमार, कांस्टेबल अतुल त्रिपाठी, कांस्टेबल लक्की सिंह और कांस्टेबल कृष्ण मुरारी शामिल रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक ने किया थाना हापुड़ नगर का वार्षिक निरीक्षण

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना हापुड़ नगर का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम गार्द की सलामी ली गई। इसके बाद थाना कार्यालय में रखे अभिलेखों, अपराध रजिस्टर, ग्राम अपराध रजिस्टर एवं त्यौहार रजिस्टर आदि का अवलोकन किया गया।अपर पुलिस अधीक्षक ने कम्प्यूटर कक्ष, मिशन शक्ति केंद्र/महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, बैरक, मैस, मालखाना, बंदीगृह एवं शस्त्रागार का भी निरीक्षण किया। इस दौरान अभिलेखों के रख-रखाव, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं को परखा गया। संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

विकुल चौधरी ने 50 किसानों के साथ भारतीय किसान यूनियन टिकैत की सदस्यता ग्रहण की

नूरपुर (वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की पंचायत ग्राम सेह निवासी विकुल चौधरी सुपोत्र गजेंद्र सिंह प्रधान के आवास पर संपन्न हुई। जिसके मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष सुनील कुमार प्रधान रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल कुमार प्रधान रहटी जागीर एवं संचालन मास्टर देवेंद्र सिंह ने किया। पंचायत विकुल चौधरी द्वारा आयोजित की गई। पंचायत में सैकड़ो किसानों ने भाग लिया। विकुल चौधरी ने जिला अध्यक्ष सुनील प्रधान को महेंद्र सिंह टिकैत का चित्र भेंट कर स्वागत किया। पंचायत में किसानों के गन्ने का भुगतान एवं रेट को लेकर चर्चा की गई। विकुल चौधरी ने अपनी टीम के लगभग 50 किसानो के साथ सदस्यता ग्रहण की। यह खबर सुनकर विकुल चौधरी के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और बधाई देने वालों का तांता लग गया। इस मौके पर चौधरी रणवीर सिंह, सचिन चौधरी, भारतीय किसान यूनियन के जिला मंत्री सुधीर शर्मा, जिला उपाध्यक्ष विनीत धनकड, नूरपुर ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह, चौधरी कावेंद्र सिंह, पुष्पेंद्र सिंह एडवोकेट, रावेन्द्र सिंह, शीशपाल सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

एक और पटाखा फैक्टरी का संचालक गिरफ्तार

शेरकोट। पुलिस ने एक पटाखा फैक्टरी के संचालक को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी आतिशबाजी के कूड़े में हुए विस्फोट के मामले में हुई है, जिसमें एक किशोर की मौत हो गई थी और दूसरा गंभीर रूप से झुलस गया था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान टीके फायर वर्क्स के संचालक तसलीम के रूप में हुई है, जो मोहल्ला नौधना, शेरकोट का निवासी है। यह घटना बीस सितंबर को गांव वाजिदपुर में हुई थी। चंद्रवीर सिंह के बेटे रोहन और रोहित चारा लेने के लिए खेतों की ओर जा रहे थे। महमदाबाद मार्ग पर एक बंद पड़े ईंट-भट्ठे के पास उन्होंने आतिशबाजी के कूड़े के ढेर में धुआं उठता देखा। दोनों किशोरों ने डंडे से कूड़े को इधर-उधर करने का प्रयास किया। तभी अचानक तेज धमाके के साथ विस्फोट हो गया, जिससे दोनों भाई गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान रोहन की शुक्रवार की रात मौत हो गई।

अवैध पटाखों की सप्लाई करने जा रहा आरोपी गिरफ्तार, 70 कार्टून पटाखे बरामद

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अवैध पटाखों/विस्फोटक पदार्थों की बिक्री व भंडारण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार, आरोपी अवैध पटाखों की सप्लाई करने के लिए कैंटर गाड़ी से जा रहा था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसके कब्जे से 70 कार्टून अवैध पटाखे तथा घटना में प्रयुक्त कैंटर गाड़ी बरामद की है। यह कार्रवाई थाना बहादुरगढ़ प्रभारी इंद्रकांत यादव के नेतृत्व में की गई। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है।

केंद्र सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करे: पंडित गोपाल शर्मा

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रदेशाध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने जारी प्रेस बयान में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चुनाव और मतदान प्रक्रिया का कथित रूप से राजनीतिक फायदे के लिए दुरुपयोग देश के लोकतांत्रिक भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले में संज्ञान लेने की मांग करते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को नैतिकता के आधार पर पद से इस्तीफा देना चाहिए।पार्टी के हापुड़ जिलाध्यक्ष अजय शर्मा ने कहा कि 1 अक्टूबर 2026 को जिला/प्रदेश कार्यालय, कूचे सर रोड चौपला, हापुड़ पर आयोजित होने वाले किसान, मजदूर, नौजवान जनसंवाद कार्यक्रम में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग सहित विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर किसान, मजदूर और नौजवानों से जनसंपर्क कर कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हैं।पार्टी नेताओं ने हाल ही में यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुए बस अग्निकांड में नौ यात्रियों की मौत पर भी गहरा शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई। 24 सितंबर को ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में स्लीपर बस में आग लगने की घटना में नौ लोगों की मौत की पुष्टि हुई थी।इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी/महासचिव यूपी आशीष शर्मा, जिलाध्यक्ष हापुड़ अजय शर्मा, मेरठ मंडल अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष आबिद सेफ, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष हापुड़ मेहताब आलम, अनुसूचित जाति जिलाध्यक्ष हापुड़ धर्मवीर कश्यप, जिला सचिव नितिन निर्वाण, हरिदत्त शर्मा, डॉ. सलीम सिद्दीकी, आशु कोरी सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भीषण बारिश में छप्पर के नीचे रह रही बुजुर्ग विधवा सीता मिश्रा

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। थाना महेशगंज क्षेत्र के राजापुर ग्रामसभा के नारियांवा स्थित हरदत्तकापुरवा की रहने वाली बुजुर्ग विधवा सीता मिश्रा ने बारिश के बीच छप्पर के नीचे रहने की स्थिति बताते हुए सरकार और समाज से मदद की गुहार लगाई है। सीता मिश्रा पत्नी स्वर्गीय शेषनाथ मिश्रा का कहना है कि वह अपनी नातिन 12 वर्ष के साथ छप्पर में रहने को मजबूर हैं। उनके मुताबिक, परिवार के भरण-पोषण के लिए उन्होंने लंबे समय तक मेहनत-मजदूरी की, लेकिन बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण अब काम करना मुश्किल हो गया है। ऐसे में खुद के साथ नातिन की जिम्मेदारी उठाना भी उनके लिए कठिन हो रहा है। खुले में शौच जाना पड़ रहा है।

वीडियो जारी कर सीता मिश्रा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जिलाधिकारी प्रतापगढ़, प्रशासन और समाज के सक्षम लोगों से आवास, पेंशन, शौचालय सहित अन्य सरकारी सुविधाएं दिलाए जाने की अपील की है। बारिश के मौसम में छप्पर के नीचे रहने की उनकी बताई गई स्थिति के बाद अब प्रशासन के स्तर से परिवार की वास्तविक स्थिति का सत्यापन किए जाने की जरूरत है। सत्यापन के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि परिवार को किन सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है और किस स्तर पर सहायता की आवश्यकता है।

बकरी विवाद में घायल महिला वेंटीलेटर पर परिवार मे भय का माहौल

प्रतापगढ़। महेशगंज थाना क्षेत्र के तख्त का पुरवा गांव में 22 सितंबर की शाम बकरियों के सब्जी खाने को लेकर विवाद के बाद मारपीट का मामला सामने आया है। घटना में आरती केसरवानी पत्नी ओमप्रकाश, उसकी छोटी देवरानी रीना केसरवानी और सास को चोटें आईं। रीना की हालत गंभीर बताई जा रही है और परिजनों के अनुसार वह वेंटिलेटर पर है। परिजनों के मुताबिक, पड़ोस की बकरियां आरती के घर के सामने सब्जी खा रही थीं। आरती और उसकी सास ने बकरियों को डांटकर वहां से भगाया। इसी दौरान आरती की सास द्वारा एक बकरी को पत्थर मारने की बात सामने आई। आरोप है कि इसी बात को लेकर दूसरे पक्ष के महिला-पुरुष लाठी-डंडे लेकर उनके घर में घुस आए और मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में रीना समेत तीन लोग घायल। रीना की गंभीर हालत को देखते हुए उसे महेशगंज सीएचसी से जिला मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

सड़कों पर उतरे डीएम; अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का किया स्थलीय निरीक्षण, दिए निर्देश

वेलकम इंडिया/मोहम्मद असलम

लखीमपुर/खीरी। अतिवृष्टि और तेज हवाओं के बाद शहर में उत्पन्न परिस्थितियों की दृष्टिगत डीएम अंजनी कुमार सिंह खुद सड़कों पर उतरे। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह व अन्य प्रशासनिक अफसरो संग विभिन्न मोहल्लों में पहुंचकर उन्होंने जलभराव, गिरे और झुके पेड़ों तथा विद्युत आपूर्ति की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों को मौके पर ही राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। डीएम सबसे पहले ईदगाह मोहल्ले पहुंचे। यहां तेज हवा के कारण झुके पेड़ से आसपास के मकानों पर खतरा बना हुआ था। वन विभाग की टीम पेड़ को सुरक्षित तरीके से काटने में जुटी थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने आसपास के घरों को तत्काल खाली कराने और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कराने के निर्देश दिए। इसके बाद डीएम ने शिव कॉलोनी का निरीक्षण किया। जलभराव की स्थिति देखते हुए उन्होंने सैम्पवेल के माध्यम से पानी पंप आउट कराकर जल्द जलनिकासी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर मौजूद लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी जानीं। डीएम ने विधायक संग किया विद्युत वितरण केंद्र छाउछ का निरीक्षण इसके बाद डीएम ने विधायक सदर योगेश वर्मा के साथ विद्युत वितरण केंद्र छाउछ का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने मौजूद अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड (प्रथम) से पावर रीस्टोरेशन कार्य की बारीकी से जानकारी ली। अभियंताओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित है, वहां प्राथमिकता के आधार पर तत्काल विद्युत बहाल की जाए। पेयजल आपूर्ति प्रभावित क्षेत्रों में भी तेजी से व्यवस्था सामान्य कराने को कहा। डीएम ने बताया कि तेज हवाओं और बारिश से बड़ी संख्या में पेड़ सड़कों व विद्युत लाइनों पर गिर गए हैं। इनके निस्तारण के लिए वन विभाग और लोक निर्माण विभाग की संयुक्त टीमें लगाई गई हैं। सभी संबंधित विभाग मौके पर डटे हैं और प्रभावित क्षेत्रों में बिजली व पेयजल आपूर्ति शीघ्र बहाल कराने के प्रयास जारी हैं। डीएम ने कहा कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। निरीक्षण के दौरान एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एसडीएम सदर/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट चेलवा राजू आर, ईओ संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सरस्वती कॉलेज ऑफ फार्मेसी में जीन थेरेपी, क्रिस्पर और कोशिका आधारित उपचार पर विशेषज्ञों ने साझा किए शोधपरक अनुभव

लोकप्रिय व्याख्यान में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी, उन्नत उपचार तकनीकों एवं फार्मास्युटिकल अनुसंधान की दी जानकारी

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा वरिष्ठ

हापुड़। जनपद के पिलखुवा स्थित अनवरपुर गांव में ललललसरस्वती कॉलेज ऑफ फार्मेसी, हापुड़ में लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रायोजन में डीबीटी-सीटीईपी पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विषय 'जीन थेरेपी, क्रिस्पर, कोशिका आधारित उपचार एवं फार्मास्युटिकल जैव प्रौद्योगिकी' रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान तथा फार्मास्युटिकल अनुसंधान के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों से परिचित कराना था।सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक चेयरमैन डॉ. जे. रामचंद्रन एवं वाइस चेयरपर्सन डॉ. राम्या रामचंद्रन ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा आयोजकों, विशेषज्ञ वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को जैव प्रौद्योगिकी, फार्मास्युटिकल विज्ञान एवं आधुनिक चिकित्सा अनुसंधान में हो रहे नवीनतम विकास से सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन श्री एन. वर्धराजन, जनरल मैनेजर, प्रो. (डॉ.) नितिन कुमार, प्राचार्य, सरस्वती कॉलेज ऑफ फामेर्सी तथा आमंत्रित विशेषज्ञ वक्ताओं डॉ. निधि, प्रमुख, ट्रांसलेशनल एंड क्लिनिकल रिसर्च विभाग, स्कूल ऑफ केमिकल एंड लाइफ साइंसेज, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली; डॉ. सुभाष चंद्र सोनकर, रिसर्च साइंटिस्ट, मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट,

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली; तथा डॉ. एस. सुल्ताना, प्रोफेसर, गलगोटियास कॉलेज ऑफ फामेर्सी, नोएडा के द्वारा किया गया।दीप प्रज्वलन के पश्चात(डॉ.) नितिन कुमार, प्राचार्य, सरस्वती कॉलेज ऑफ फामेर्सी ने आमंत्रित विशेषज्ञ वक्ताओं एवं अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं प्रशस्ति-पत्र भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों के लिए निरंतर आयोजित की जा रही शैक्षणिक, शोध एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों की जानकारी भी साझा की।कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ वक्ताओं ने जीन थेरेपी, क्रिस्पर तकनीक, कोशिका आधारित उपचार एवं फार्मास्युटिकल जैव प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। व्याख्यानों के माध्यम से विद्यार्थियों को इन उन्नत तकनीकों के वैज्ञानिक आधार, संभावित चिकित्सकीय उपयोग, वर्तमान शोध, फार्मास्युटिकल विज्ञान में इनके अनुप्रयोग तथा भविष्य की संभावनाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।विशेषज्ञ वक्ताओं ने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के साथ अपने शैक्षणिक एवं शोध अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि जीन थेरेपी एवं कोशिका आधारित उपचार आधुनिक चिकित्सा अनुसंधान के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र हैं, जिनमें विभिन्न जटिल एवं गंभीर रोगों के उपचार की नई संभावनाओं पर लगातार शोध किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि क्रिस्पर जैसी उन्नत तकनीकों ने जीन एडिटिंग एवं जैव-चिकित्सकीय अनुसंधान के क्षेत्र में नए अवसरों के द्वार खोले हैं। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, अनुसंधान के अवसरों एवं इन उभरते क्षेत्रों में भविष्य की शैक्षणिक संभावनाओं के संबंध में भी मार्गदर्शन प्रदान किया।कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों के बीच संवादात्मक चर्चा रहा। विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने जीन थेरेपी, क्रिस्पर, कोशिका आधारित उपचार, फार्मास्युटिकल जैव प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे। विशेषज्ञ वक्ताओं ने उनके प्रश्नों का उत्तर देते हुए विषय से संबंधित व्यावहारिक एवं शोधपरक जानकारी प्रदान की।लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला ने विद्यार्थियों को कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को आधुनिक अनुसंधान एवं उन्नत उपचार तकनीकों के व्यापक परिप्रेक्ष्य से जोड़ने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को फार्मास्युटिकल विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी एवं आधुनिक चिकित्सा अनुसंधान के बीच बढ़ते संबंधों से भी परिचित कराया गया।लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला का यह दूसरा सत्र सरस्वती कॉलेज ऑफ फामेर्सी, हापुड़ की ओर से विद्यार्थियों को आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी, उन्नत उपचार तकनीकों एवं फार्मास्युटिकल अनुसंधान के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल रहा।कार्यक्रम का संचालन मनीष सम्याल, एसोसिएट प्रोफेसर, फामेर्सी विभाग एवं नेहा वर्मा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर डॉ. अरुण कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में फामेर्सी विभाग के प्रोफेसर डॉ. नेहा सिंह, डॉ. सुप्रियो मैती, डॉ. रश्मि शर्मा, दीपेश, मनीष, खुर्शीद, विशाल, अजय, योगेश, मोहित, संजय, अनुज एवं शादाब सहित समस्त संकाय सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सुना 'मन की बात' का 138वां संस्करण

उत्तराखंड के सीमांत गांवों के उल्लेख को बताया गौरव का विषय, प्रदेशवासियों से जनगणना में सहयोग की अपील

वेलकम इंडिया/ओपी उनियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को शासकीय आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम ह्यमन की बातह्न के 138वें संस्करण को सुना। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मन की बात' देशवासियों के सकारात्मक प्रयासों, उपलब्धियों और प्रेरक कार्यों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के साथ ही आमजन को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' में उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्रों का विशेष उल्लेख किया जाना पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में जनगणना के प्रथम चरण के तहत उत्तराखंड के दुर्गम और बफीर्ले क्षेत्रों में भी किए जा रहे जनगणना कार्य का उल्लेख किया। इससे यह स्पष्ट होता है कि देश के दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिक भी राष्ट्रीय गतिविधियों में पूरी सक्रियता के साथ भागीदारी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में चमोली जिले के देश के प्रथम गांव माणा का विशेष उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि माणा में जनगणना की शुरूआत 83 वर्षीय पूर्णिमा रावत से की गई। इसके साथ ही उत्तरकाशी जिले के बगोरी गांव का भी उल्लेख किया गया, जहां होमस्टे संचालक हरदेव सिंह राणा ने डिजिटल माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर स्व-गणना की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि माणा और बगोरी जैसे सीमांत गांवों के उदाहरणों को देश के सामने रखना उत्तराखंड के लिए सम्मान की बात है। ये उदाहरण प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों में हो रहे सामाजिक बदलाव, डिजिटल जागरूकता और राष्ट्र निर्माण में स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी को दशार्ते हैं। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्रों के नागरिकों की यह सहभागिता उत्तराखंड के विकास की बदलती तस्वीर को भी सामने रखती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनगणना को प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय दायित्व बताते हुए देशवासियों से इसमें सक्रिय सहयोग करने का आह्वान किया है। उन्होंने प्रदेशवासियों से भी अपील की कि जनगणना के दौरान अपनी सही एवं आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं और इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़े देश की भविष्य की योजनाओं और नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन जैसे विषय उत्तराखंड के लिए विशेष महत्व रखते हैं। पर्वतीय राज्य होने के कारण पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण प्रदेश के विकास से सीधे जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेशों को आत्मसात करने और अपने स्तर पर सकारात्मक पहल करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही विकसित भारत के साथ विकसित उत्तराखंड के संकल्प को साकार किया जा सकता है। इसके लिए सरकार के प्रयासों के साथ आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है।

महिला बैंककर्मी को परेशान करने का आरोपी राजन गिरफ्तार, कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

निजी नंबर हासिल कर लगातार फोन और संदेश भेजने का आरोप, अलीगढ़ के रिश्तेदार के घर से पुलिस ने पकड़ा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। महिला बैंककर्मी को मानसिक रूप से परेशान करने और आपत्तिजनक संदेश भेजने के मामले में वांछित आरोपी सैयद राजन अहमद रिजवी को कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम ने अलीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी को रविवार दोपहर करीब 2:50 बजे अलीगढ़ के क्वार्सी थाना क्षेत्र स्थित धौर्रा माफी गांव में उसके रिश्तेदार के घर से पकड़ा गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे अंतरिम जमानत मिल गई। सीओ सिटी आशना चौधरी के अनुसार राजन रिजवी मूल रूप से कोतवाली क्षेत्र के आंबेडकर सौंख रोड का रहने वाला है और वर्तमान में सदर बाजार थाना क्षेत्र के फैज-ए-आम स्कूल मार्ग स्थित एक सोसाइटी में रह रहा था। महिला बैंककर्मी ने 15 सितंबर को कोतवाली थाने में आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही आरोपी जिला छोड़कर फरार था। पुलिस की सर्विलांस टीम उसकी तलाश में लगातार जुटी हुई थी।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने अपना मोबाइल फोन बंद कर रखा था। मोबाइल दोबारा चालू होने के बाद पुलिस को उसकी लोकेशन अलीगढ़ में मिली। इसके बाद कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम ने लोकेशन के आधार पर धौर्रा माफी में दबिश दी और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उसे मथुरा लेकर आई और आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे अंतरिम जमानत पर रिहा कर दिया गया। थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार महिला बैंककर्मी का आरोप है कि राजन रिजवी ने किसी तरह उसका निजी मोबाइल नंबर उसकी अनुमति के बिना हासिल कर लिया था। इसके बाद वह लगातार फोन और व्हाट्सऐप संदेशों के माध्यम से महिला से संपर्क करने का प्रयास करता था। महिला द्वारा विरोध किए जाने पर आरोपी पर कॉल डिटेल रिकॉर्ड निकलवाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। प्राथमिकी में महिला ने आरोपी पर आपत्तिजनक संदेश भेजने, बैंक के बाहर उसकी तस्वीरें लेने और उसके निजी वाहन पर नजर रखने जैसे आरोप भी लगाए हैं। महिला का आरोप है कि आरोपी की इन हरकतों के कारण उसे मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा और बैंक में काम करना भी मुश्किल हो गया था। पुलिस के अनुसार महिला ने यह भी आरोप लगाया कि राजन उसके आवास और कॉलोनी के आसपास रात के समय दिखाई देता था। महिला का आरोप है कि आरोपी ने उसे प्रभावित करने के लिए व्हाट्सऐप पर संदेश भेजकर यह दावा भी किया था कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर वह उसे मुख्यमंत्री कोटे से प्रतिनियुक्ति के आधार पर भारतीय प्रशासनिक सेवा में अधिकारी बनवा देगा। राजन रिजवी समाजवादी पार्टी की अल्पसंख्यक सभा में प्रदेश महासचिव के पद पर रहा था। महिला बैंककर्मी को परेशान करने के आरोपों के बाद पार्टी नेतृत्व द्वारा उसे पद से हटाए जाने की जानकारी सामने आई थी। पुलिस की कार्रवाई के बाद मामले ने एक बार फिर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा का रूप ले लिया है। फिलहाल पुलिस मामले में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। न्यायालय से अंतरिम जमानत मिलने के बाद मामले की जांच और आरोपों से जुड़े तथ्यों का परीक्षण जारी है।

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में बालिका खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। नगर के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में जिला स्तरीय बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग की बालिका खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से कुल छह टीमों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता में डूंडूखेड़ा, लिसाढ़, लिलोन, कैराना, बाबरी और कांधला सहित विभिन्न स्थानों की बालिका कबड्डी टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्य कविता जयजन और मुख्य अतिथि लिलोन इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य सीमा वर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ कराया गया।प्रतियोगिता के दौरान बालिका खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी। मैदान पर खिलाड़ियों ने अपनी फुर्ती, दमखम और खेल कौशल का परिचय दिया। मुकाबलों को देखने के लिए विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित अन्य लोगों में भी उत्साह नजर आया।प्रतियोगिता के समापन पर विजेता टीम के खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें भविष्य में भी खेलों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर विद्यालय के अशोक कुमार सहित अन्य शिक्षक एवं स्टाफ मौजूद रहा।

विशाल भंडारे का आयोजन, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

कांधला (वेलकम इंडिया)। नगर के मोहल्ला खेल स्थित निराकार मंदिर परिसर में शनिवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और सुख-शांति की कामना की। भंडारे में आसपास के मोहल्लों सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना करने के बाद भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों की ओर से श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की समुचित व्यवस्था की गई थी। दोपहर से ही भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने के लिए लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। इस दौरान महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों ने बताया कि धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम और सद्भावना को बढ़ावा देना है। श्रद्धालुओं ने भी भंडारे के आयोजन की सराहना की। आयोजन के दौरान व्यवस्था बनाए रखने में स्थानीय लोगों ने सहयोग किया।

17 लाख रूपये की धोखाधड़ी में तीन वांछित आरोपी गिरफ्तार

कृषि भूमि के असली मालिकों की जगह दूसरे लोगों को खड़ा कर फर्जी आधार कार्ड बनवाए

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। रिफाइनरी थाना पुलिस ने कृषि भूमि के नाम पर जालसाजी कर 17 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने कृषि भूमि के वास्तविक भूमिधारकों के स्थान पर दूसरे लोगों को खड़ा कर उनके फोटो बदलकर फर्जी आधार कार्ड तैयार कराए। इसके बाद शिकायतकर्ता के पक्ष में फर्जी इकरारनामा तैयार कराकर उससे 17 लाख रुपये ले लिए गए। मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक राधा माधव नगर निवासी अनिल कुमार शर्मा की शिकायत पर मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के दौरान पुलिस के सामने कृषि भूमि से जुड़ी जालसाजी की पूरी साजिश सामने आई। विवेचना में पता चला कि खेडिया निवासी रूपेंद्र सिंह और देवी सिंह की कृषि भूमि को लेकर आरोपियों ने कथित तौर पर योजना बनाई थी। पुलिस के अनुसार साजिश के तहत रूपेंद्र सिंह के स्थान पर सुगड़ सिंह निवासी मिजार्पुर और देवी सिंह के स्थान पर निरंजन सिंह निवासी पींगरी को खड़ा किया गया। इसके बाद दोनों के आधार कार्ड में फोटो बदलकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर शिकायतकर्ता के पक्ष में कथित तौर पर फर्जी इकरारनामा तैयार कराया गया और इसके एवज में उससे 17 लाख रुपये ले लिए गए। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने पहले सुगड़ सिंह निवासी मिजार्पुर, निरंजन सिंह निवासी पींगरी और कैलाश निवासी राल को गिरफ्तार किया था। तीनों को न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा जा चुका है। आगे की विवेचना में तीन अन्य आरोपियों की भूमिका सामने आने के बाद पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के लिए तलाश शुरू की। पुलिस ने मामले में वांछित चल रहे दिनेश पाराशर (44 वर्ष), अरुण कुमार (35 वर्ष) और जगराम (31 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दिनेश पाराशर को थाना जैत के सामने एक खोखे के पास से गिरफ्तार किया गया। वहीं अरुण कुमार को कल्याण गार्डन, रांची बांगर से पकड़ा गया। तीसरे आरोपी जगराम को वृंदावन स्थित गीतामणि धाम, चैतन्य बिहार के एक होटल के स्वागत कक्ष से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार जगराम के खिलाफ पूर्व में भी कई मुकदमे दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस का कहना है कि मामले में फर्जी दस्तावेज तैयार करने, वास्तविक भूमिधारकों की जगह दूसरे लोगों को खड़ा करने और इकरारनामा तैयार कर रकम लेने से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि फर्जी आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज तैयार कराने में और कौन-कौन लोग शामिल थे।

बाइक और भैंसा बुग्गी की जोरदार भिड़ंत, दो युवक हुए गंभीर घायल

कांधला (वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव भभीसा के निकट बाइक और भैंसा बुग्गी की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल हादसे की सूचना 108 एंबुलेंस को दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस चालक दिलशाद टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। कस्बे के मोहल्ला मिर्दगान निवासी इलियास का पुत्र सुहेल अपने साथी साजिद के पुत्र आदिल के साथ बाइक पर सवार होकर मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना स्थित अपनी बुआ के घर जा रहा था। बताया गया कि भभीसा गांव के निकट पहुंचते ही उनकी बाइक की सामने से आ रही भैंसा बुग्गी से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। ग्रामीणों ने दोनों घायलों को संभाला और एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया।चिकित्सकों ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया। सुहेल की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल शामली के लिए रेफर कर दिया, जबकि आदिल का उपचार सीएचसी में किया गया। घायल सुहेल के भाई कासिम ने बताया कि सुहेल अपने साथी आदिल के साथ बुढ़ाना में बुआ के घर जा रहा था।

पूर्व सांसद के परिचितों से 26.50 लाख की ठगी, अधिक रिटर्न का दिया था लालच

राजस्थान निवासी कथित कंपनी संचालक पर निवेश के नाम पर रकम हड़पने और धमकी देने का आरोप, पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी

वेलकम इंडिया संवाददाता

नौहझील। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह के निजी सचिव और उनके परिचितों से अधिक रिटर्न का लालच देकर 26 लाख 50 हजार रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि राजस्थान निवासी एक व्यक्ति ने खुद को वित्तीय कंपनी का संचालक बताकर लोगों को निवेश पर आकर्षक मासिक आय का भरोसा दिया और अलग-अलग लोगों से रकम हासिल की। बाद में भुगतान बंद कर दिया गया। रुपये वापस मांगने पर जान से मारने और झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। एसएसपी के आदेश पर नौहझील पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार नौहझील थाना क्षेत्र के गांव भैरई निवासी चतुर सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में बताया कि 27 मई 2023 को राजस्थान के भीलवाड़ा स्थित सोलंकियों का खेड़ा में महाराणा प्रताप की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम के दौरान उनकी मुलाकात चंद्रवीर सिंह नमाणा निवासी नमाणा, जिला बूंदी, वर्तमान निवासी रंगबाड़ी, कोटा सिटी, राजस्थान से हुई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी स्वयं को महाराणा प्रताप स्मारक अभियान का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताता था। इसके बाद वह अक्सर मथुरा आता-जाता रहा और चतुर सिंह से उसकी मित्रता हो गई।

शिकायत के अनुसार चंद्रवीर सिंह ने बताया कि वह महाराणा कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड नाम से एक वित्तीय कंपनी संचालित करता है। उसने दावा किया कि कंपनी में एकमुश्त धनराशि निवेश करने पर आकर्षक मासिक आय प्राप्त होती है। आरोपी की बातों पर विश्वास करते हुए चतुर सिंह ने अपने मित्र सुजान सिंह निवासी अडींग, मथुरा से 27 दिसंबर 2023 को पांच लाख रुपये चेक के माध्यम से पूर्व सांसद के आवास पर आरोपी को दिलवाए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि शुरूआत में आरोपी ने विश्वास कायम करने के लिए जनवरी 2024 से तीन हजार रुपये टीडीएस काटकर 26,012 रुपये मासिक किस्त के रूप में देना शुरू किया। कुछ समय तक नियमित भुगतान मिलने से निवेशकों का भरोसा और मजबूत हो गया।

शिकायत के मुताबिक विश्वास कायम होने के बाद आरोपी ने 29 अप्रैल 2024 को आरटीजीएस के माध्यम से चतुर सिंह से पांच लाख रुपये और लिए। इसके बाद 21 अक्टूबर 2024 को चतुर सिंह के मित्र मनवीर सिंह गौड़ निवासी द्वारका, दिल्ली से चेक के जरिए पांच लाख रुपये लिए गए। आरोप है कि इसके बाद चतुर सिंह के छोटे भाई हुकम सिंह से 29 नवंबर 2024 को 6 लाख 50 हजार रुपये तथा गांव के साहब सिंह से 7 जनवरी 2025 को पांच लाख रुपये कंपनी के नाम आरटीजीएस के माध्यम से लिए गए। इस तरह अलग-अलग लोगों से कुल 26 लाख 50 हजार रुपये की रकम ली गई। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी ने शुरूआत में कुछ महीनों तक निवेश की रकम के बदले निर्धारित किस्तों का भुगतान किया, लेकिन बाद में उसने भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया। जब निवेशकों ने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी पर टालमटोल करने और बाद में धमकी देने का आरोप लगाया गया। चतुर सिंह का आरोप है कि रुपये मांगने पर आरोपी ने जान से मारने और झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। सीओ अमरनाथ यादव के अनुसार एसएसपी के आदेश पर चतुर सिंह की तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी चंद्रवीर सिंह नमाणा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शिकायत में लगाए गए आरोपों से संबंधित दस्तावेजों, लेन-देन तथा कंपनी से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है।

चार-पांच साल से मरम्मत का इंतजार, छितौना-अशरफपुर मार्ग बदहाल

एक किलोमीटर सड़क पर बिखरी गिट्टियां, जगह-जगह बने गड्ढे; रोजाना गुजरते हैं दर्जनों स्कूल वाहन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। छितौना-अशरफपुर मार्ग की हालत इन दिनों बदहाल है। करीब एक किलोमीटर हिस्से में सड़क की गिट्टियां उखड़कर बिखर गई हैं और जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। इससे राहगीरों के साथ वाहन चालकों को भी आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह मार्ग टेमा-सेमरियावां मार्ग को जोड़ने के साथ ही ब्लॉक और जिला मुख्यालय तक पहुंचने का प्रमुख रास्ता है। छपिया छितौना, अशरफपुर, सोरहां, सिंगापुर, केकराहूं समेत आसपास के कई गांवों के लोग प्रतिदिन इसी मार्ग से ब्लॉक और जिला मुख्यालय आते-जाते हैं। वहीं, छोटी-बड़ी दर्जनों स्कूल बसें और अन्य वाहन भी इसी सड़क से होकर गुजरते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि करीब चार से पांच वर्ष पहले सड़क पर पैचिंग का कार्य कराया गया था। इसके बाद से मार्ग पर कोई मरम्मत कार्य नहीं हुआ। लगातार आवागमन और बारिश के कारण सड़क की गिट्टियां उखड़कर फैल गई हैं तथा कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं। इससे विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों और स्कूल वाहनों को परेशानी हो रही है। ग्रामीण रिजवान अहमद, शादाब अहमद, प्रधान फिरोज अख्तर, इकबाल अहमद, पप्पू यादव, अमित यादव, महेंद्र यादव, इंद्र देव प्रधान, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र यादव, प्रधान ओबैद अशरफ, अली अहमद और अजीम आदि ने प्रशासन से सड़क की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो मार्ग की स्थिति और खराब हो सकती है।

रामलीला मंचन से पहले मैदान में पानी ही पानी

जलभराव ने प्रशासन और आयोजन समिति की बढ़ाई चिंता

वेलकम इंडिया संवाददाता

बीसलपुर/पीलीभीत। लगातार दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने नगर के रामलीला मैदान की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। बारिश के बाद रामलीला ग्राउंड पूरी तरह जलमग्न हो गया। मैदान में चारों तरफ पानी भरा होने से ऐसा प्रतीत हो रहा है, मानो रामलीला मैदान ने तालाब का रूप ले लिया हो। जलभराव के कारण आगामी रामलीला आयोजन की तैयारियों को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।

नगर में बारिश का सिलसिला लगातार जारी रहने से रामलीला मैदान में पानी की निकासी नहीं हो सकी। मैदान के बड़े हिस्से में पानी जमा होने के कारण आयोजन से जुड़ी तैयारियां प्रभावित होने की आशंका है। रामलीला मंचन को लेकर जहां आयोजन समिति की ओर से तैयारियां शुरू की जा रही हैं, वहीं मैदान की मौजूदा स्थिति व्यवस्थाओं के लिए चुनौती बन गई है।रामलीला आयोजन के दौरान मैदान में बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की संभावना रहती है। ऐसे में मैदान में लंबे समय तक पानी जमा रहने से मंच, दर्शक दीर्घा, कलाकारों के आवागमन और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में परेशानी हो सकती है। बारिश का पानी यदि समय रहते नहीं निकाला गया तो मैदान को आयोजन के लिए तैयार करने में अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि रामलीला मैदान में जलभराव कोई सामान्य स्थिति नहीं है। बारिश के बाद पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था होना जरूरी है, ताकि आयोजन से पहले मैदान को पूरी तरह तैयार किया जा सके। लोगों ने प्रशासन और आयोजन समिति से मैदान से पानी की निकासी के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

वहीं, लगातार बारिश के बीच रामलीला आयोजन की तैयारियां जारी रखना भी समिति के सामने चुनौती है। आयोजन की तिथि नजदीक आने के साथ मैदान की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। अब प्रशासन और रामलीला आयोजन समिति की ओर से जलभराव की समस्या दूर कराने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं, इस पर लोगों की निगाहें टिकी हैं। समय रहते पानी की निकासी और मैदान को व्यवस्थित किया गया तो आयोजन की तैयारियों को गति मिल सकती है।

मिशन शक्ति टीम ने छेड़खानी का वांछित आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजीव चौधरी

सहारनपुर/गागलहेड़ी। थाना गागलहेड़ी की मिशन शक्ति टीम ने छेड़खानी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ छेड़खानी की घटना में वांछित होने के चलते कार्रवाई की गई है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे समय से न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर अभिनंदन सिंह के निर्देशन में जनपद में चोरी, नकबजनी, छेड़खानी सहित विभिन्न आपराधिक घटनाओं की रोकथाम तथा वांछित, वारंटी और वाहन चोरी से जुड़े आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार के कुशल

नेतृत्व में गागलहेड़ी पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान खुशहाल पुत्र नसीम, निवासी ग्राम कैलाशपुर, थाना गागलहेड़ी, जनपद सहारनपुर, उम्र करीब 20 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे छेड़खानी की घटना में वांछित आरोपी के रूप में गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसके खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को समय से माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में महिला उपनिरीक्षक रश्मि, महिला कांस्टेबल शशिबाला, महिला रिजर्व कांस्टेबल मीनू तथा महिला रिजर्व कांस्टेबल अक्षी सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। मिशन शक्ति टीम की इस कार्रवाई से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस की सक्रियता का संदेश भी गया है।

कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं संग सुना मन की बात का 138वां एपिसोड

विधायक संजीव अग्रवाल बोले– प्रधानमंत्री के विचारों को आत्मसात कर सुनिश्चित करें क्षेत्र का विकास

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरेली। पवन विहार में रविवार को यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय और प्रेरणादायी कार्यक्रम मन की बात के 138वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण कार्यक्रम आयोजित किया। मुख्य अतिथि कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों, स्थानीय पार्षदों और देवतुल्य कार्यकताओं के साथ बैठकर प्रधानमंत्री जी के देश के नाम संबोधन को सुना। कार्यक्रम के बाद उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री के विचारों को देश की प्रगति का मूल आधार बताया। कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव

अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार सदैव हमें राष्ट्र निर्माण, निःस्वार्थ समाज सेवा और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धरातल पर उतारने की एक नई और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं। मन की बात कार्यक्रम सकारात्मक बदलावों, नवाचारों और जन-आंदोलनों को एक सूत्र में पिरोने का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। इसके माध्यम से देश की जनता को सीधे राष्ट्र के विकास से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कार्यकताओं को प्रधानमंत्री के विचारों को आत्मसात कर क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने प्रधानमंत्री जी द्वारा साझा किए गए वोकल फॉर लोकल और कैच द रेन जैसे महत्वपूर्ण अभियानों में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर हम अपने क्षेत्र के छोटे व्यापारियों और शिल्पकारों को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। वहीं, जल संरक्षण के लिए कैच द रेन अभियान के तहत बारिश की बूंद-बूंद को सहेजना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। जब समाज का प्रत्येक नागरिक जागरूक होकर अपनी जिम्मेदारी निभाएगा, तभी एक सशक्त और समृद्ध भारत का सपना सच होगा। इस दौरान इस दौरान राज बहादुर सक्सेना, अरुण कश्यप, अमरीश कठेरिया, मुकेश कुमार, सुनील कुमार, ऋषभ रत्नाकर, रितेश रत्नाकर, निखिल रत्नाकर, सुनील कुमार एडवोकेट, अनुज कुमार जी सहित देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सपा जिलाध्यक्ष धर्मेश कुमार से मिले डॉ. इरशाद खान

बीसलपुर विधानसभा के पूर्व सचिव ने की शिष्टाचार मुलाकात, संगठन को मजबूत करने समेत कई विषयों पर हुई

वेलकम इंडिया संवाददाता

बीसलपुर/पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष धर्मेश कुमार से बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव मीरपुर वाहनपुर निवासी एवं सपा के पूर्व विधानसभा सचिव डॉ. इरशाद खान ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जिलाध्यक्ष को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं और संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।मुलाकात के दौरान बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी संगठन की स्थिति, कार्यकताओं की सक्रियता और आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विचार-विमर्श हुआ। डॉ. इरशाद खान ने क्षेत्र में पार्टी कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय और संगठन को मजबूत करने से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए कार्यकताओं का आपसी तालमेल और

जमीनी स्तर पर सक्रियता महत्वपूर्ण है।सपा जिलाध्यक्ष धर्मेश कुमार ने भी संगठन से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हुए कार्यकताओं के साथ समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की आवश्यकता पर चर्चा की।

डॉ. इरशाद खान लंबे समय तक बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के संगठन से जुड़े रहे हैं। पूर्व विधानसभा सचिव के रूप में उनकी क्षेत्रीय कार्यकताओं के साथ सक्रियता रही है। ऐसे में जिलाध्यक्ष के साथ उनकी मुलाकात को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।मुलाकात के दौरान क्षेत्र की स्थानीय राजनीतिक गतिविधियों और आने वाले समय में पार्टी की संगठनात्मक तैयारियों को लेकर भी चर्चा हुई। दोनों के बीच कार्यकताओं की भूमिका और संगठन को सक्रिय रखने से जुड़े मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। मुलाकात के बाद डॉ. इरशाद खान ने जिलाध्यक्ष धर्मेश कुमार को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए संगठन के हित में सहयोग की बात कही। वहीं, इस मुलाकात की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय समाजवादी पार्टी कार्यकताओं के बीच भी चर्चा रही। कार्यकताओं का कहना है कि वरिष्ठ और सक्रिय कार्यकताओं के साथ संवाद से संगठनात्मक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।

हक की जंग में आंधी-बारिश भी बेअसर, 9वें दिन भी गन्ना भवन पर किसानों की हुंकार

बरखेड़ा चीनी मिल के खिलाफ फूटा आक्रोश, बकाया भुगतान न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। बरखेड़ा चीनी मिल से जुड़े किसानों के बकाया भुगतान समेत अन्य मांगों को लेकर गन्ना भवन परिसर में चल रहा किसानों का अनिश्चितकालीन धरना रविवार को नौवें दिन भी जारी रहा। खराब मौसम और बारिश के बावजूद किसान धरना स्थल पर डटे रहे। किसानों ने कहा कि जब वह विपरीत मौसम में खेतों में मेहनत कर फसल तैयार कर सकते हैं तो अपने हक की लड़ाई से पीछे हटने का सवाल ही नहीं उठता।धरने पर मौजूद किसानों ने बरखेड़ा चीनी मिल प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा कि गन्ने की फसल तैयार करने में किसानों ने अपनी पूरी मेहनत और पूंजी लगा दी, लेकिन भुगतान को लेकर उन्हें इंतजार करना पड़ रहा है। किसानों का आरोप है कि बकाया भुगतान लंबे

समय से अटका हुआ है, जिससे उनके सामने आर्थिक परेशानियां खड़ी हो रही हैं। किसानों ने कहा कि गन्ना भुगतान में देरी का असर सीधे उनके परिवारों पर पड़ रहा है। खेती-किसानी से जुड़े खर्च, बच्चों की पढ़ाई, घरेलू जरूरतों और अगली फसल की तैयारी के लिए उन्हें धन की आवश्यकता है। इसके बावजूद भुगतान लंबित रहने से किसान परेशान हैं। धरने के दौरान किसानों ने शासन-प्रशासन और मिल प्रबंधन से बकाया भुगतान शीघ्र कराने की मांग की। उनका कहना था कि जब तक उनकी समस्या का ठोस समाधान नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही बकाया भुगतान को लेकर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।किसानों ने कहा कि वह शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग प्रशासन तक पहुंचा रहे हैं, लेकिन लगातार अनदेखी होने पर उन्हें आंदोलन का रास्ता और तेज करना पड़ेगा। धरना स्थल पर किसानों ने एकजुटता दिखाते हुए कहा कि उनका संघर्ष बकाया भुगतान मिलने तक जारी रहेगा। उन्होंने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर किसानों की समस्या का जल्द समाधान कराने की मांग की।

संदिग्ध परिस्थितियों में बुजुर्ग महिला की मौत, घर में मिला शव

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमरिया/पीलीभीत। थाना अमरिया क्षेत्र के गांव बांसखेड़ा में रविवार को एक बुजुर्ग महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आने से ग्रामीणों में चर्चा शुरू हो गई। महिला का शव उसके घर के अंदर पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।बांसखेड़ा निवासी 60 वर्षीय बानो पत्नी जलालुद्दीन अपने मकान में अकेली रहती थीं। बताया गया कि उनके पति की काफी समय पहले मृत्यु हो चुकी है। वहीं उनके एक पुत्र की भी सड़क हादसे में मौत हो चुकी थी। महिला की दो पुत्रियां हैं और दोनों की शादी हो चुकी है। इसके चलते वह घर में अकेली रह रही थीं।\ ग्रामीणों के अनुसार, बानो को बीते मंगलवार को गांव में देखा गया था। इसके बाद लगातार हो रही बारिश के दौरान वह किसी को नजर नहीं आईं। बताया गया कि महिला के मकान का दरवाजा अंदर से बंद था। रविवार को आसपास से गुजर रहे लोगों को गली में दुर्गंध महसूस हुई। इस पर ग्रामीणों को किसी अनहोनी की आशंका हुई और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मकान का दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया गया, लेकिन अंदर से बंद होने के कारण दरवाजा तोड़ा गया। अंदर महिला का शव पड़ा मिला। शव से दुर्गंध आ रही थी। पुलिस ने मौके पर जांच-पड़ताल करने के बाद शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।घटना के बाद गांव में महिला की मौत को लेकर तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं। हालांकि पुलिस ने अभी मौत के कारण को लेकर कोई निष्कर्ष नहीं दिया है।

देवहा नदी का जलस्तर बढ़ने से कई गांव पर खतरा, कटान के डर से पलायन को मजबूर हुए ग्रामीण

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। तेज हवाओं के साथ तीन दिनों से हो रही भारी बारिश और बांधों से नदियों में छोड़े जा रहे पानी के चलते शारदा, देवहा सहित अन्य नदियों का जलस्तर बढ़ने से तटीय गांवों में बाढ़ और कटान का खतरा बढ़ गया है। धान और गन्ने की फसलें प्रभावित होने के साथ कृषि भूमि और आबादी को भी नदी के कटान का खतरा बना हुआ है। नावकूड़ गांव के नजदीक नदी पहुंचने से ग्रामीणों की धुकधुकी बढ़ गई है। कटान की चपेट में आने की आशंका को लेकर ग्रामीण घर से पलायन कर रहे हैं। मामले की वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। किसान नेता एवं प्रांतीय संरक्षक क्रांतिकारी विचार मंच उत्तर प्रदेश देवस्वरूप पटेल ने बाढ़ नियंत्रण एवं राहत प्रभारी अपर जिलाधिकारी राजस्व एवं वित्त से वार्ता कर बाढ़ चौकियों और रैन बसेरों में सभी

आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि वह स्वयं संगठन के साथियों के माध्यम से नदी कटान प्रभावित गांवों के ग्रामीणों के लगातार संपर्क में हैं और लोगों से प्रशासनिक टीमों का सहयोग करने की अपील की जा रही है।देवस्वरूप पटेल ने बताया कि अहिरवाड़ा, कांधरपुर, रसूला, गुदरानपुर, बहादुरपुर हुकुमी, सुस्वार, सैजना, पियास, नावकुड़ और वेहरी समेत कई गांवों में देवहा नदी के कटान से नुकसान की स्थिति बन रही है। ग्रामीणों ने दूरभाष पर उन्हें बताया कि अभी तक कई स्थानों पर प्रशासनिक कर्मचारी या अधिकारी नहीं पहुंचे हैं, जिससे प्रभावित लोगों को समय पर मदद नहीं मिल पा रही है। ग्रामीणों के मुताबिक नदी में पानी लगातार बढ़ रहा है।पटेल ने ग्रामीणों की समस्याओं से प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पीलीभीत सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने एक दिन पहले जिलाधिकारी समेत संबंधित अधिकारियों को बाढ़ राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए थे।

सांस्कृतिक विविधता में पहाड़ की सुगंध घोलते हैं ऐसे आयोजन: महापौर

मेला गुघाल के सांस्कृतिक आयोजनों की श्रृंखला में 'देवभूमि सांस्कृतिक संध्या' का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। मेला गुघाल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में राजकीय इण्टर कॉलेज(जीआईसी) के सभागार में देवभूमि सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। संध्या का शुभारंभ सहारनपुर क्लब के सचिव हेमंत जोशी, गढ़वाल सभा के प्रधान विवेक चंद, महामंत्री गोनियाल द्वारा भारत माता व वीरचंद्र सिंह गढ़वाली के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन तथा महापौर डॉ. अजय कुमार, टिहरी के विधायक किशोर उपाध्याय, नगर विधायक राजीव गुंबर, महानगर अध्यक्ष शीतल बिश्नोई, मेला चेयरमैन, पार्षद संजय सैनी, मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष पार्षद दिग्विजय चौहान, पूर्व महानगर अध्यक्ष हेमंत अरोड़ा, पूर्व उपसभापति मुकेश गक्खड़, सह संयोजक ज्योति अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक पार्षद मुरारी खेतवाल, भाजपा महानगर उपाध्यक्ष संदीप रावत, महानगर महामंत्री ललित कटारिया, पार्षद प्रतिनिधि अनिल शर्मा व भाजपा नेता अजब सिंह ने रिबन काटकर किया।

पार्षद मुरारी खेतवाल के संयोजन और भाजपा मंडल अध्यक्ष जोगेंद्र लाला के संचालन में आयोजित संगीत संध्या की शुरूआत प्रद्युमन भर्तवाण व खुशी भारद्वाज ने 'नारायणी दुर्गा भवानी जागर' लोकगीत से की। उन्होंने गढ़वाली गीत-' सरोली मेरा जिया लागी है' के अलावा अनेक गढ़वाली गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। इसके अलावा चंद्रपाल के गढ़वाली गीत 'पिंक प्लाजो...' की प्रस्तुति व आशीष गडोई के गीतों और नीमा चौहान की नृत्य प्रस्तुति ने सध्या को शिखर पर पहुंचा दिया। महापौर डॉ. अजय कुमार ने संध्या को संबोधित करते हुए कहा कि देवभूमि सांस्कृतिक संध्या हमारी सांस्कृतिक विविधता में पहाड़ की सुगंध और लोकजीवन की मिठास घोल रही है। ऐसे आयोजन हमें अपनी लोक परंपराओं से जोड़ते हैं और भाईचारे को मजबूत बनाते हैं। टिहरी के विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि गढ़वाल की लोकधुनों में हमारे पहाड़ की मिट्टी , मेहनत और मन की सच्ची आवाज बसती है। आज इन सुरों को यहां गूंजते सुनना ऐसा है, जैसे अपनी जन्मभूमि की पुकार शहर के बीच सुनाई दे रही हो। इससे पूर्व कार्यक्रम के सहसंयोजक मनोज रावत, नरेश रावत, भूपेंद्र सिंह रावत, ऋषि राणा, वीरेंद्र नेगी, अनिल पंवार, दुर्गा सागर, संदीप राणा, राजेश रावत विक्की रावत व संदीप नेगी आदि ने अतिथियों को पटके पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक मुरारी खेतवाल, सहसंयोजक मनोज रावत ने अतिथियों को प्रतीक चिह्न भेंट किये। संचालन जोगेंद्र लाला ने किया।

एक झटके में छिन गई जिंदगी, पानी की मोटर के करंट से ग्रामीण की मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। थाना पूरनपुर क्षेत्र के गांव कंजाखेड़ा में रविवार सुबह उस समय दर्दनाक हादसा हो गया, जब पानी की मोटर में उतरे करंट की चपेट में आने से 60 वर्षीय ग्रामीण मन्नू सिंह की मौत हो गई। अचानक हुए हादसे की जानकारी मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने आनन-फानन में ग्रामीण को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरनपुर पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर घर पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि गांव कंजाखेड़ा निवासी मन्नू सिंह रविवार सुबह करीब नौ बजे गांव से कुछ दूरी पर स्थित पानी की मोटर के पास गए थे। इसी दौरान किसी तरह मोटर में करंट उतर आया। मन्नू सिंह जैसे ही मोटर के संपर्क में आए, वह करंट की चपेट में आ गए। तेज करंट लगने के कारण वह मौके पर ही जमीन पर गिर पड़े। हादसा होते देखकर आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तत्काल उन्हें मोटर से अलग किया और उनकी हालत देखते हुए बिना देर किए उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरनपुर ले गए। परिजनों को भी घटना की सूचना दी गई। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने मन्नू सिंह की जांच की, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मन्नू सिंह की मौत की सूचना जैसे ही उनके परिवार और रिश्तेदारों को मिली, घर में चीख-पुकार मच गई। परिवार के लोग आनन-फानन में अस्पताल पहुंचे। अचानक हुई मौत से परिजन सदमे में हैं। ग्रामीणों के अनुसार मन्नू सिंह सामान्य रूप से अपने दैनिक कार्य कर रहे थे और किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ ही देर बाद एक हादसा उनकी जिंदगी छीन लेगा।

युगपुरुष अशोक सिंघल की जन्मशती पर पीएम मोदी ने राष्ट्रसेवा और समर्पण को किया नमन

आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्रसेवा का पुण्य उदाहरण है अशोक सिंघल का जीवन: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख नेताओं में रहे स्वर्गीय अशोक सिंघल की जन्मशती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। 27 सितंबर 2026 को ह्यमन की बातह्व की 138वीं कड़ी में प्रधानमंत्री ने अशोक सिंघल के जीवन, उनके सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों तथा राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन संस्कृति, समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि अशोक सिंघल ने समाज में रहते हुए तपस्वी जैसा जीवन जिया और राम जन्मभूमि आंदोलन को दिशा एवं ऊर्जा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में एक प्रसिद्ध सुभाषित का उल्लेख करते हुए कहा कि पेड़ कभी अपने फल स्वयं नहीं खाता और नदी अपना जल अपने पास नहीं रखती। इसी प्रकार संत स्वभाव के लोग भी स्वयं को प्राथमिकता न देते हुए दूसरों की सेवा और लोककल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर देते हैं। उन्होंने कहा कि सदियों से भारत के ऋषियों ने मानवता के कल्याण के लिए समर्पित जीवन का महत्व बताया है और अशोक सिंघल का जीवन इस भावना का उदाहरण रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि 27 सितंबर से अशोक सिंघल की जन्मशती का अवसर एक महान व्यक्तित्व के जीवन और उनके योगदान को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि अशोक सिंघल ने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक

जागरण तथा दशकों तक समाज एवं संगठन के कार्यों को समर्पित भाव से आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उन्हें अशोक सिंघल के साथ लंबे समय तक काम करने, उनसे सीखने, संवाद करने और उनका स्नेह प्राप्त करने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री ने अपने पुराने संस्मरण को याद करते हुए बताया कि वर्ष 1981 में जब वे एक युवा कार्यकर्ता के रूप में संगठन की जिम्मेदारियां निभा रहे थे, तब उन्हें अशोक सिंघल का हाथ से लिखा पत्र मिला था। उस पत्र में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम की जानकारी और कुछ जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उस समय अशोक सिंघल से पत्र प्राप्त करना उनके लिए बेहद विशेष और यादगार अनुभव था। उन्होंने कहा कि उन्होंने अशोक सिंघल को कई दशकों तक दिन-रात काम करते देखा। वे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की लंबी और कठिन यात्राएं करते थे। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष रूप से प्रिय था। वे लगातार इस बात पर चिंतन करते रहते थे कि समाज के वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भी देश में प्राकृतिक आपदा आती थी, अशोक सिंघल प्रभावित लोगों की सहायता के लिए सक्रिय हो जाते थे और कार्यकताओं को सेवा कार्यों के लिए मार्गदर्शन देते थे। वर्ष 2001 में कच्छ में आए भूकंप के बाद उनके साथ का अनुभव प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से स्मरण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अशोक सिंघल की पारिवारिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जन्म एक समृद्ध परिवार में हुआ था। उनके पिता सिविल सेवा से जुड़े अधिकारी थे और परिवार के कई सदस्य उच्च पदों पर रहे। स्वयं अशोक सिंघल ने आईआईटी-बीएचयू से शिक्षा प्राप्त की थी। इसके बावजूद उन्होंने व्यक्तिगत उपलब्धियों और सुविधाओं से अलग समाज, संस्कृति और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। प्रधानमंत्री ने कहा कि समाज और संस्कृति के लिए अपना जीवन समर्पित करना ही महान व्यक्तित्वों की पहचान है। अशोक सिंघल के व्यक्तित्व के प्रारंभिक संस्कारों को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रयागराज में उनके जीवन का महत्वपूर्ण समय बीता। संगम और वहां आने वाले साधु-संतों के साथ उनके संपर्क ने भारत के सांस्कृतिक लोकाचार के प्रति उनकी समझ को और गहरा किया। दूसरों के लिए कुछ करने की उनकी ललक और समाज के प्रति सेवा भाव ने उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जोड़ा। संगठन में उन्हें जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने उत्साह, अनुशासन और कर्तव्यभाव के साथ निभाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अशोक सिंघल ने अपने निरंतर प्रयास और अथक परिश्रम से अनेक संस्थाओं और आंदोलनों को मजबूती प्रदान की।

बस अग्निकांड में मृतक के परिजनों को 51 हजार की मदद

भाजपा नेता कुश शर्मा ने मृतक के घर पहुंचकर बंधाया ढांढस

वेलकम इंडिया संवाददाता

छतारी। जेवर में हुए बस अग्निकांड में गांव कीरतपुर निवासी ओमप्रकाश पुत्र थानसिंह की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। रविवार को भाजपा नेता कुश शर्मा ने मृतक के घर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। छतारी के गांव कीरतपुर में मृतक ओम प्रकाश के घर पहुंचकर भाजपा नेता कुश शर्मा ने परिजनों से मुलाकात की। भाजपा नेता कुश शर्मा ने शिकारपुर एसडीएम प्रतीक्षा पांडे से फोन पर वार्ता कर पीड़ित परिवार को नियमानुसार जल्द से जल्द सरकारी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने मृतक की पत्नी सीमा देवी का तत्काल बैंक खाता खुलवाने तथा पात्रता के अनुसार सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर दिलाने की बात कही। इस दौरान कुश शर्मा ने अपने पिता स्व. अनिल शर्मा, पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक शिकारपुर की प्रेरणा से अपने निजी कोष से मृतक के परिवार को तत्काल राहत के रूप में 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस मौके पर ग्राम प्रधान विमल कुमार राघव, पूर्व प्रधान राकेश कुमार, यशु शर्मा, सतीश कुमार, कपिल शर्मा, ललित शर्मा और गौरव शर्मा आदि मौजूद रहे।

अविजित सोनी बने रोटरैक्ट क्लब वाराणसी रुद्र के चार्टर अध्यक्ष

प्रथम इंस्टॉलेशन समारोह में नई टीम ने संभाली जिम्मेदारी, युवाओं को सेवा और नेतृत्व से जोड़ने का संकल्प

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। रोटरैक्ट क्लब ऑफ वाराणसी रुद्र का प्रथम चार्टर एवं इंस्टॉलेशन समारोह रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल के प्रायोजन में गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में रोटरी एवं रोटरैक्ट परिवार के पदाधिकारियों, सदस्यों तथा गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर नवगठित क्लब की नई टीम ने अपनी जिम्मेदारियां संभालीं। समारोह में अविजित सोनी को रोटरैक्ट क्लब वाराणसी रुद्र का चार्टर अध्यक्ष घोषित किया गया। अतिथियों एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नवनियुक्त टीम को शुभकामनाएं देते हुए समाजसेवा, नेतृत्व और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। समारोह के मुख्य अतिथि रोटेरियन एवं जिला गवर्नर निर्वाचित दिनेश गर्ग ने अपने संबोधन में रोटरी के प्रसिद्ध चार सूत्रीय परीक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में सत्य, निष्पक्षता, सद्भावना तथा सभी के हित को सदैव प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, रचनात्मक सोच और नेतृत्व क्षमता का उपयोग समाज के विकास एवं जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए किया जाना चाहिए। रोटरैक्ट जैसे युवा संगठन युवाओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और उसे प्रभावी ढंग से निभाने का अवसर प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि रोटरैक्ट जिला प्रतिनिधि गरिमा सिंह ने सदस्यता बढ़ाने के साथ-साथ सदस्यों की सक्रिय सहभागिता को संगठन की सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी रोटरैक्ट क्लब की मजबूती केवल सदस्यों की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी सक्रिय भागीदारी, जिम्मेदारी और संगठन के उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्धता से तय होती है। उन्होंने युवाओं की क्षमताओं को पहचानकर उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारियां देने तथा सेवा कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने पर जोर दिया। रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल की अध्यक्ष डॉ. ऋतु गर्ग ने रोटरैक्ट क्लब वाराणसी रुद्र की नवगठित टीम को प्रथम चार्टर के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि युवाओं में समाज के प्रति संवेदनशीलता और सेवा की भावना विकसित करने में रोटरैक्ट की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवा रोटरैक्ट सदस्यों से समाजसेवा, नेतृत्व, शिक्षा, स्वास्थ्य और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर रोटरैक्ट क्लब वाराणसी रुद्र के चार्टर अध्यक्ष अविजित सोनी ने अपनी टीम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रथम चार्टर क्लब के लिए केवल एक औपचारिक उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक सेवा की एक नई यात्रा का शुभारंभ है। उन्होंने कहा कि क्लब की पूरी टीम एकजुट होकर युवाओं को सेवा, नेतृत्व और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन से जोड़ने के लिए कार्य करेगी। उन्होंने सभी सदस्यों से सक्रिय भूमिका निभाने और समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप सेवा प्रकल्प तैयार करने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल द्वारा क्लब को दिए गए सहयोग एवं प्रायोजन के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

शादीशुदा महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत, मायके पक्ष ने जहर देकर हत्या का लगाया आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

अगौता (बुलंदशहर)। थाना क्षेत्र के गांव अख्तियारपुर निवासी शादीशुदा महिला की शनिवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला की मौत की सूचना मिलते ही मायके पक्ष में कोहराम मच गया। परिजनों ने ससुराल पक्ष पर महिला को कथित तौर पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार महिला की शादी करीब छह वर्ष पूर्व औरंगाबाद थाना क्षेत्र के भीकमपुर गांव निवासी युवक से हुई थी। शनिवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में उसकी मौत हो गई। सूचना पर मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और घटना पर सवाल उठाए। परिजनों ने पुलिस को मामले की जानकारी देते हुए हत्या का आरोप लगाया। मायके पक्ष के लोग मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर कोतवाली नगर क्षेत्र स्थित एसएसपी आवास भी पहुंचे और धरना प्रदर्शन किया।

परिजनों ने आरोप लगाया कि अभी तक मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाकर शांत कराया और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया। पुलिस के अनुसार, महिला की मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल मायके पक्ष के आरोपों की जांच की जा रही है। मामले में पुलिस की जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह और आरोपों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पूर्व चेयरमैन ने लगाया राजनीतिक विद्वेष के चलते नक्शे पास नहीं किए जाने का आरोप, जिलाधिकारी से हुई शिकायत

वेलकम इंडिया संवाददाता

औरंगाबाद/बुलंदशहर। पूर्व चेयरमैन भाजपा नेता नगर पंचायत औरंगाबाद में नामित सभासद राजकुमार लोधी उर्फ राजू लोधी ने नगर पंचायत अध्यक्ष पर राजनीतिक विद्वेष के चलते अपनी दो कालोनियों के नक्शे निर्धारित शुल्क जमा कराए जाने के बाबजूद पास नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से शिकायत की है। जिलाधिकारी को दिये गये शिकायती पत्र में पूर्व चेयरमैन एवं वर्तमान में नामित सभासद राजकुमार लोधी उर्फ राजू लोधी ने कहा है कि नगर पंचायत औरंगाबाद द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृत कराये कालोनी काटे जाने के संबंध में नगर पंचायत के तत्कालीन अधिशासी अधिकारी सेवा राम राजभर ने दिनांक 11अगस्त 2025 को नोटिस जारी किया था। उक्त नोटिस के उत्तर में उन्होने अपनी दोनों कालोनियों के नक्शे नियमानुसार स्वीकृति हेतु नगर पंचायत कार्यालय में प्रस्तुत किए। नगर पंचायत अधिकारियों द्वारा निर्धारित किए गए मानचित्र शुल्क रुपए 27991 तथा रुपए 58009 नगर पंचायत कार्यालय में जमा करा कर रसीदें प्राप्त कर ली गईं। निर्धारित मानचित्र शुल्क जमा कराए जाने के बाबजूद उनकी पत्रावलियों का निस्तारण नहीं किया गया। मालूम करने पर नगरपंचायत कर्मचारी नेमपाल सिंह ने बताया कि आपकी पत्रावलियां चेयरमैन के पास हैं। शिकायत कर्ता ने जिलाधिकारी को यह भी अवगत कराया है कि वर्तमान चेयरमैन के सामने उनकी माता जी ने वर्ष 2023 में चुनाव लड़ा था जिसमें निकटतम प्रतिद्वंद्वी के रूप में उन्हें 27 वोटों के मामूली अंतर से शिकस्त देकर वर्तमान चेयरमैन ने चुनाव जीता था। इसी राजनीतिक विद्वेष एवं दुर्भावना के चलते उनके नक्शे पास नहीं किए गए हैं। तथा पत्रावलियां अनावश्यक रूप से लंबित रखी हैं। शिकायत कर्ता ने जिलाधिकारी से नियमानुसार जांच कराकर अपने नक्शों को पास कराने हेतु आदेश दिए जाने की मांग की है। अधिशासी अधिकारी रोहित कुमार ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। साथ ही कहा कि संबंधित कर्मचारी से पत्रावलियां तलब की गई हैं। पत्रावलियां पेश किए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

रोटरी क्लब वाराणसी गंगा ने चलाया साक्षरता अभियान, 25 लोगों को दी प्रारंभिक शिक्षा

हर रविवार चलेगा प्रशिक्षण अभियान, निरक्षर लोगों को साक्षर बनाने का लिया संकल्प

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। रोटरी क्लब वाराणसी गंगा की ओर से साक्षरता मिशन के अंतर्गत राघव राम वर्मा बालिका इंटर कॉलेज, शिवपुर में विशेष साक्षरता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान करीब 20 से 25 ऐसे लोगों को पढ़ने-लिखने की प्रारंभिक शिक्षा दी गई, जो अब तक शिक्षा से वंचित रहे थे। क्लब ने इन सभी लाभार्थियों को नियमित रूप से प्रत्येक रविवार प्रशिक्षण देने और उन्हें साक्षर बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण की जिम्मेदारी रोटेरियन दिनेश गुप्ता ने संभाली। उन्होंने उपस्थित लाभार्थियों को अक्षर ज्ञान कराने के साथ-साथ पढ़ने और लिखने का अभ्यास कराया। प्रशिक्षण के दौरान सभी लाभार्थियों से उनका नाम लिखवाया गया और विभिन्न चित्रकारी गतिविधियों के माध्यम से उन्हें सीखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। क्लब की ओर से सभी लाभार्थियों को साक्षरता संबंधी पुस्तकें भी उपलब्ध कराई गईं, ताकि वे घर पर भी अभ्यास जारी रख सकें।

साक्षरता मिशन के उद्देश्य की जानकारी देते हुए क्लब के चार्टर अध्यक्ष दीपक अग्रवाल ने कहा कि साक्षरता अभियान एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल है, जिसका उद्देश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब वाराणसी गंगा के सदस्य लोगों को साक्षर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी उद्देश्य के साथ क्लब ने इस अभियान की शुरूआत की है, ताकि शिक्षा से वंचित लोगों को पढ़ने-लिखने का अवसर मिल सके और वे अपने दैनिक जीवन के कार्यों को अधिक आत्मविश्वास के साथ पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति को आत्मनिर्भर

बनाने और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का माध्यम भी है। क्लब द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और प्रत्येक रविवार लाभार्थियों को नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से प्रधानमंत्री के साक्षरता संबंधी मिशन को आगे बढ़ाने में भी सहयोग किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनोद कुमार बागी ने रोटरी क्लब वाराणसी गंगा के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब ने उनके विद्यालयों को गोद लेकर निरंतर सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन किया है, जिसके लिए वह क्लब के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने साक्षरता अभियान की शुरूआत के लिए क्लब को बधाई देते हुए कहा कि प्रत्येक रविवार आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यालय की ओर से पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा। विनोद कुमार बागी ने कहा कि लाभार्थियों को साक्षर बनाने के लिए क्लब को विद्यालय की ओर से जिस भी सहयोग की आवश्यकता होगी, उसे उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की क्षमता पैदा करती है, इसलिए समाज के वंचित लोगों तक शिक्षा पहुंचाना सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का स्वागत रोटरी क्लब वाराणसी गंगा के अध्यक्ष शशांक अग्रवाल ने किया। उन्होंने अभियान में शामिल सभी लाभार्थियों का उत्साह बढ़ाया और क्लब की ओर से भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। इस अवसर पर अशोक अरोड़ा, प्रदीप कुमार, डॉ. सोमनाथ सिंह तथा अरविंद जैन सहित क्लब के अन्य सदस्यों ने भी लाभार्थियों को पढ़ने-लिखने का अभ्यास कराया और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी लाभार्थियों एवं रोटरी क्लब के सदस्यों के साथ सामूहिक छायाचित्र कराया गया। इसके बाद उपस्थित सभी लोगों को अल्पाहार कराया गया। रोटरी क्लब वाराणसी गंगा की इस पहल का मुख्य उद्देश्य निरक्षर लोगों को शिक्षा से जोड़ना, उनमें आत्मविश्वास विकसित करना, उन्हें दैनिक जीवन के कार्यों के लिए अधिक आत्मनिर्भर बनाना और समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। क्लब ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रत्येक रविवार नियमित प्रशिक्षण के माध्यम से इसे निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा।

चुनाव आयोग के खिलाफ चला कांग्रेस का अभियान, लखमीचंद पाराशर पार्टी में शामिल

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। कांग्रेस ने आगामी मिशन-2027 को लेकर संगठन मजबूत करने के साथ चुनाव आयोग के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाने का ऐलान किया। रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय पर समाजसेवी एवं उद्योगपति लखमीचंद पाराशर कांग्रेस में शामिल हुए। जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान एडवोकेट ने उनका स्वागत किया। पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। जिलाध्यक्ष ने चुनावी प्रक्रिया और कथित ह्यवोट चोरीह्व को लेकर उठ रहे सवालों पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा। लखमीचंद पाराशर ने कहा कि वह संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों से प्रभावित होकर कांग्रेस में शामिल हुए हैं और जिले में संगठन को मजबूत करने के लिए काम करेंगे। इस दौरान कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महर्षि प्रजापति शिक्षा समिति द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। महर्षि प्रजापति शिक्षा समिति, शुक्रतीर्थ द्वारा मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय, राज चौपाला, मोदीनगर के सभागार में 36वां वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रास्थिपत्र एवं प्रतीक चिन्ह व पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनोद कुमार शुखरालिया व कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक वेद प्रकाश प्रजापति सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथि एवं समाज के वरिष्ठजन मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और समाज के वक्ताओं द्वारा विद्यार्थियों को मेहनत, लगन और अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों में डॉक्टर श्रीमती शुभ्रा आर्य,ऋषिपाल प्रजापति एवं सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक पूर्व राज्य मंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रमेश प्रजापति ने कहा कि समाज के मेधावी बच्चों को सम्मानित करने का उद्देश्य उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना तथा अन्य विद्यार्थियों को भी शिक्षा के प्रति प्रेरित करना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अमरसिंह प्रजापति ने की तथा संचालन आकाश दीप प्रजापति द्वारा किया गया प्रोग्राम में प्रमुख रूप से हेमचंद प्रजापति (डेयरी वाले), समाजवादी कृष्ण रूहेला, डॉ. यशपाल प्रजापति,दिनेश प्रजापति, इंजीनियर डी.पी. सिंह, डॉ. वरदानी प्रजापति, कंवरपाल प्रजापति, प्रजापति एल.सी. राठौर, समिति के संस्थापक पूरन सिंह प्रजापति, नाहर सिंह प्रजापति,ऋषिपाल प्रजापति, प्रोफेसर अरविंद राजा, राजवीर सिंह प्रजापति, दुलीचंद प्रजापति, जयभगवान प्रजापति, वीरेंद्र प्रजापति, ओम प्रकाश प्रजापति,प्रवीण आर्य ,सुरेंद्र प्रजापति ,संतोष प्रजापति,प्रीतम प्रजापति ,बलवीर सिंह खिचड़ी,सुमित कुमार वर्मा सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहें!

एक स्वैब बचा सकता है जीवनः मोदीनगर की पहली स्टेम सेल डोनर बनीं

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एक साल पहले लक्ष्य पाठशाला को डीकेएमएस संस्था के माध्यम से स्टेम सेल डोनेशन के बारे में पता चला, जो रक्त विकारों से जूझ रहे मरीजों के लिए काम करती है। इसके बाद हमने पिछले साल लक्ष्य पाठशाला में एक स्टेम सेल डोनेशन ड्राइव का आयोजन किया। इस ड्राइव में कई लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया, जिनमें हमारी कुछ छात्राएं भी शामिल थीं। दो महीने पहले लक्ष्य पाठशाला की एक छात्रा मोज़िला परवीन का सैंपल एक मरीज से मैच हो गया। कई मेडिकल टेस्ट के बाद, आखिरकार उन्होंने 23 सितंबर 2026 को अपनी स्टेम सेल डोनेट की और मोदीनगर की पहली स्टेम सेल डोनर और उत्तर प्रदेश की नौवीं डोनर बन गईं। लक्ष्य पाठशाला ने अपनी छात्रा मोज़िला परवीन के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें डॉ. मंजू सिवाच जी और विनोद वैशाली ने छात्रा की सराहना की और मीडिया को स्टेम सेल डोनेशन की पूरी प्रक्रिया और इसके महत्व के बारे में विस्तार से बताया।

साथ ही दोनों ने बच्चों को भी मार्गदर्शन दिया कि स्टेम सेल डोनेशन कितना महत्वपूर्ण है। यह विषय इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत एक गंभीर संकट का सामना कर रहा है। हर 5 मिनट में किसी न किसी को ब्लड कैंसर का पता चलता है। हर साल 1,10,000 से अधिक नए मामले और 70,000 मौतें होती हैं। ट्रांसप्लांट की जरूरत वाले 70% मरीजों को बाहरी डोनर की जरूरत होती है, लेकिन केवल 30% को ही अपने परिवार में मैच मिल पाता है। भारत में केवल 0.6 मिलियन रजिस्टर्ड डोनर हैं-जो जनसंख्या का सिर्फ 0.09% है-जबकि दुनिया भर में 41 मिलियन डोनर हैं। यह अंतर ही कई जिंदगियों की कीमत बन जाता है। स्टेम सेल डोनेशन सुरक्षित, सरल है और किसी को जीवन का दूसरा मौका देता है।

शहीदों की प्रतिमाओं के आसपास स्वच्छता अभियान चलाकर शहीदों को नमन किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मातृभूमि सेवा संघ के तत्वावधान में भगत सिंह चौक, गोविंदपुरी पर शहीद भगत सिंह, राजगुरु , सुखदेव एवं भारत माता की प्रतिमाओं के आसपास स्वच्छता अभियान चलाकर शहीदों को नमन किया गया।

इस अवसर पर मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू शिवाच एवं वरिष्ठ नागरिक संस्था के अध्यक्ष रकम सिंह दरोगा ने शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया। बच्चों को भगत सिंह के जन्मदिवस के बारे में बताते हुए क्रांतिकारियों के त्याग, बलिदान और राष्ट्रभक्ति से परिचित कराया गया। मातृभूमि सेवा संघ के सदस्यों ने संकल्प लिया कि शहीदों की वीरगाथाओं को जन-जन तक पहुँचाकर आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करेंगे। कार्यक्रम में विकास भारतीय, आशुतोष सक्सेना, भव्य सिसोदिया, पवन चौधरी, सिद्धार्थ ठाकुर, तेजा सिंह, अविनाश झा, पवन शर्मा, विनय सिंघल, राजीव सैन, विक्रम सिंह, प्रदीप पांडे, एन.के. ग्रोवर, डॉ. राहुल सैन, महेश कुमार, पुनीत बतरा आदि उपस्थित रहे।

हुनर को मिला मंचः ज्योति रानी की हस्तनिर्मित ज्वेलरी को अभिभावकों ने सराहा, जमकर की खरीदारी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उत्थान फाउंडेशन की 'बढ़ते कदम योजना' के तहत श्री अंबेडकर लाइब्रेरी, मोदीनगर केंद्र पर संचालित निःशुल्क इंग्लिश स्पीकिंग क्लास में रविवार को संस्था की सदस्या ज्योति रानी ने अपने हाथों से तैयार ज्वेलरी उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। विद्यार्थियों, अभिभावकों और संस्था सदस्यों ने ज्वेलरी के विभिन्न डिजाइनों को सराहा तथा पसंद आए उत्पादों की खरीदारी कर उनका उत्साहवर्धन किया।

ज्योति रानी पिछले करीब आठ वर्षों से उत्थान फाउंडेशन की महिला सशक्तिकरण पहल 'पिंक स्क्वायर योजना' से जुड़ी हैं और इसके माध्यम से हस्तनिर्मित ज्वेलरी तैयार कर उनका विक्रय कर रही हैं। यह योजना महिलाओं की रचनात्मक प्रतिभा और कौशल को मंच देने के साथ उन्हें स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है।

इस अवसर पर फाउंडेशन की संस्थापक सचिव डॉ. सोनिका जैन ने क्लास मे उपस्थित 50 बच्चो और अविभावकों के बीच ज्योति रानी को पटका पहनाकर सम्मानित किया, जबकि संस्था की सदस्य डॉ. रश्मि मलिक ने उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट किया।

डॉ. सोनिका जैन ने कहा कि महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को लोगों तक पहुंचाने और उनके लिए बाजार के अवसर विकसित करने का प्रयास संस्था लगातार कर रही है। उन्होंने ज्योति रानी के लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनका कार्य अन्य महिलाओं को भी अपने हुनर को आय के साधन में बदलने के लिए प्रेरित करता है।

उन्होंने बताया कि उत्थान फाउंडेशन शिक्षा और महिला सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर विभिन्न सामाजिक गतिविधियां संचालित कर रहा है।

'बढ़ते कदम योजना' के माध्यम से बच्चों को निःशुल्क इंग्लिश स्पीकिंग की शिक्षा दी जा रही है, जबकि 'पिंक स्क्वायर योजना' महिलाओं को अपनी प्रतिभा और कौशल के माध्यम से आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है। कार्यक्रम में संस्था की सदस्य कामाक्षी माहेश्वरी, गजाला बारी, रितु कपूर और डॉ. रश्मि मलिक सहित विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक मौजूद रहे।

ग्राम ईसापुर में किया पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी एवं पूर्व विधायक राजपाल सिंह का स्वागत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ग्राम ईसापुर में पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी एवं पूर्व विधायक राजपाल सिंह के सम्मान में ग्रामीणों द्वारा जनसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामवासियों ने आपसी सहमति, भाईचारे एवं क्षेत्र के विकास को लेकर विचार-विमर्श किया। जनसभा में ग्रामीणों ने आगामी विधानसभा चुनाव में पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में विकास, सुशासन एवं जनसेवा को प्राथमिकता देने वाले नेतृत्व के साथ वे मजबूती से खड़े हैं। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विपिन कुमार चौधरी एवं राजपाल सिंह का स्वागत करते हुए अपना समर्थन व्यक्त किया। बिंदु प्रधान, बिजेंद्र प्रधान, चौधरी धर्मवीर सिंह, अनुज गुड़हल, सुनील सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने कहा कि ग्राम इसापुर का आपसी भाईचारा और एकजुटता क्षेत्र के विकास के लिए आगे भी कायम रहेगी।

कश्यप समाज की एकजुटता और उत्थान को लेकर हुआ जन जागरण चिंतन संवाद

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कश्यप समाज में सामाजिक जागरूकता, आपसी एकजुटता और समाज के उत्थान को लेकर रविवार को मुन्नी देवी वाटिका फार्म हाउस, निवाड़ी रोड में कश्यप समाज जन जागरण चिंतन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कश्यप उत्थान सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूपेंद्र कश्यप एवं समाजसेवी जेपी कश्यप ने की, जबकि मंच संचालन राष्ट्रीय महासचिव सुनील कश्यप तथा वरिष्ठ समाजसेवी मानू कश्यप ने किया। मुख्य अतिथि पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप सहित अन्य अतिथियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने कश्यप समाज की वर्तमान स्थिति, युवाओं की भूमिका, शिक्षा, सामाजिक एकजुटता तथा समाज के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया। कश्यप उत्थान सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज कश्यप ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों और समाज के लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर दीपा कश्यप सहित उपस्थित मातृशक्ति को सम्मानित किया गया। महिला शक्ति के रूप में मंजू कश्यप सहित बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं भी कार्यक्रम में मौजूद रहीं। कार्यक्रम में जयवीर कश्यप, मोहित कश्यप, एडवोकेट अनिल कश्यप, सुभाष कश्यप, दिनेश कश्यप, दिग्विजय कश्यप, प्रदेश महासचिव सहित समिति के कई पदाधिकारी एवं समाज के लोग उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि ऐसे संवाद कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श करना और समाज के उत्थान के लिए सामूहिक रूप से आगे बढ़ने की दिशा तय करना है।

लोनी बॉर्डर में चाकूबाजी से युवक की मौत, तीन बाल अपचारी अभिरक्षा में

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने युवक की चाकू मारकर हत्या के मामले का खुलासा करते हुए तीन बाल अपचारियों को अभिरक्षा में लिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 26 सितंबर को युवक को चाकू मारकर घायल किए जाने की सूचना मिली थी। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने धारा 103(1)/3(5) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीद गवाहों के बयानों से तीन बाल अपचारियों की घटना में संलिप्तता सामने आई। इसके बाद मुकदमे में धारा 105 बीएनएस की वृद्धि की गई। जांच में नामजद जमुना, राकेश और नामजद नाबालिग की घटना में संलिप्तता नहीं मिली। पुलिस ने 27 सितंबर को तीनों बाल अपचारियों को अभिरक्षा में लेकर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

निष्काम भवन में 43वीं देह आरोग्यता अरदास, एसडीएम मोदीनगर कोमल पंवार ने की शिरकत

नई बीआईपीएपी मशीन, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर एवं पेशेंट मॉनिटर का किया अनावरण

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। निष्काम भवन में प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को आयोजित होने वाली देह आरोग्यता अरदास के क्रम में 43वीं अरदास श्रद्धा एवं भावपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। निष्काम के अध्यक्ष जसमीत सिंह ने बताया कि इस अवसर पर सितंबर माह के उपचाराधीन 27 रोगियों के शीघ्र स्वस्थ होने, दुर्भाग्यवश दिवंगत हुए 5 रोगियों की आत्मिक शांति तथा निष्काम की एम्बुलेंस सेवा का लाभ लेने वाले 41 मरीजों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए अरदास की गई। कार्यक्रम में मोदीनगर की नव नियुक्त उपजिलाधिकारी श्रीमती कोमल पंवार ने भी विशेष रूप से शिरकत की। जसमीत सिंह ने बताया कि इस अवसर पर उपजिलाधिकारी ने निष्काम भवन में संचालित विभिन्न चिकित्सकीय सेवाओं एवं मेडिकल उपकरण केंद्रों का अवलोकन किया और संस्था द्वारा जरूरतमंद रोगियों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं को नजदीक से समझा। इस अवसर पर उनके द्वारा निष्काम भवन में सेवा हेतु प्राप्त नई मशीन, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर एवं पेशेंट मॉनिटर का अनावरण भी किया गया। इस अवसर पर निष्काम सेवक समिति की ओर से उपजिलाधिकारी महोदया को निष्काम का पटका पहनाकर एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य और समाजसेवा के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम के अंत में लंगर का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर निष्काम के वरिष्ठ सदस्य मंदीप सिंह, मन्जीत सिंह, राहुल बाबा, जसविंदर सिंह, रविंदर सिंह, पुनीत बत्रा, लवली सचदेवा, ज्ञानी रविंदर सिंह, गुरमीत सिंह, अनुप्रीत कौर, मन्जीत कौर, हर्षी बत्रा, एकता सचदेवा, रेखा, गुन्जीत कौर, हरसिमर सिंह, जितेन्द्र सिंह, मनप्रीत सिंह, विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मंदिर जा रही बुजुर्ग महिला को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। साहिबाबाद थाना क्षेत्र के लाजपत नगर में मंदिर जा रही बुजुर्ग महिला को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनके सिर में गंभीर चोट आने के साथ बाएं कंधे और पैर में फ्रैक्चर हुआ है। करीब दो सप्ताह तक अस्पताल में इलाज चलने के बाद छुट्टी मिलने पर परिजनों ने साहिबाबाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस आरोपी कार चालक की तलाश कर रही है। लाजपत नगर निवासी सुमित बंसल ने पुलिस को बताया कि 31 अगस्त की सुबह करीब साढ़े सात बजे उनकी मां कमलेश घर के पास स्थित मंदिर जाने के लिए निकली थीं। वह सड़क पार कर रही थीं, तभी तेज रफ्तार से आ रही कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कमलेश सड़क पर गिर गईं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे की जानकारी मिलने पर सुमित बंसल मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस की सहायता से घायल कमलेश को अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों की जांच में उनके सिर में गंभीर चोट सामने आई। इसके अलावा बाएं कंधे और पैर में फ्रैक्चर होने की बात भी सामने आई। परिजनों के मुताबिक, हादसे के बाद कमलेश की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। करीब दो सप्ताह तक उनका उपचार चला। इस दौरान परिवार के सदस्य उनकी देखभाल में व्यस्त रहे। सुमित बंसल ने बताया कि मां के इलाज और देखभाल में पूरा परिवार व्यस्त था।

आर्य केन्द्रीय सभा की नई कार्यकारिणी का विस्तार, दिसंबर में होगा भव्य आर्य महासम्मेलन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आर्य केन्द्रीय सभा गाजियाबाद की चुनाव के बाद पहली बैठक रविवार को राजनगर स्थित आर्य समाज मंदिर में डॉ. वीरेन्द्र नाथ सरदाना की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक का शुभारंभ ईश्वर स्तुति एवं प्रार्थना के साथ हुआ। महामंत्री कृष्ण कुमार यादव ने पिछली चुनाव कार्यवाही प्रस्तुत की, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके बाद मातृशक्ति प्रकोष्ठ सहित नई कार्यकारिणी के विस्तार की घोषणा कर पदाधिकारियों का परिचय कराया गया। यादव ने कहा कि आर्य समाज के प्रमुख पर्वों एवं महापुरुषों की जयंती और बलिदान दिवस को भव्य रूप से मनाने के साथ शिथिल पड़े आर्य समाजों को पुनः सक्रिय किया जाएगा। जिला सभा मंत्री सत्यवीर चौधरी ने बताया कि स्वामी श्रद्धानंद शताब्दी बलिदान दिवस के अवसर पर 25 से 27 दिसंबर तक महानगर में विशाल शोभायात्रा और त्रिदिवसीय आर्य महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। बैठक में ओम पाल शास्त्री, विजय पाल कसाना, महिपाल सिंह तोमर सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

अल्ट्रासाउंड में सब सामान्य...जन्म के बाद बच्चे में मिली गंभीर विकृति

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में गर्भस्थ शिशु की स्थिति सामान्य बताए जाने के बाद जन्म के समय बच्चे में गंभीर विकृति मिलने का मामला सामने आया है। विजयनगर थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। विजयनगर निवासी अविनाश त्यागी की शिकायत पर दर्ज मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि चिकित्सकों ने उनकी गर्भवती पत्नी की जांच के दौरान अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में सही तथ्यों को दर्ज नहीं किया और बच्चे के पूरी तरह सामान्य होने का भरोसा देकर उनसे रुपये लिए। अविनाश त्यागी के मुताबिक उनकी पत्नी हिमानी त्यागी जुलाई 2025 में पांच माह की गर्भवती थीं। उनका नियमित उपचार प्रताप विहार स्थित आस्था अस्पताल में डॉ. गरिमा की देखरेख में चल रहा था। 11 जुलाई 2025 को उन्होंने दिल्ली के शाहदरा स्थित चंद्रलोक के सुपर डायग्नोस्टिक्स सेंटर में अल्ट्रासाउंड कराया था। आरोप है कि सेंटर पर डॉ. अमित शर्मा ने जांच के बाद रिपोर्ट में गर्भस्थ शिशु की स्थिति सामान्य बताई। परिजनों के अनुसार 10 नवंबर 2025 को आस्था अस्पताल में हिमानी का प्रसव हुआ। जन्म के बाद बच्चे की स्थिति देखकर परिवार के लोग हैरान रह गए। आरोप है कि बच्चे की आधी रीढ़ की हड्डी और दोनों पैर प्रभावित थे। इसके अलावा उसके सिर में भी पानी भरा होने की बात सामने आई। परिजनों ने जब पहले कराई गई अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट और बच्चे की स्थिति को लेकर चिकित्सकों से सवाल किया तो आरोप है कि उन्होंने मामले से पल्ला झाड़ लिया।

हाईटेक हथियारों से फायर फाइटिंग रोबोट तक, ट्रेड शो में दिखी यूपी पुलिस की आधुनिक तस्वीर

कपिल चौहान

गौतम बुद्ध नगर (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में यूपी पुलिस ने आधुनिक और तकनीक-सक्षम पुलिसिंग का प्रदर्शन करने के लिए विशेष पवेलियन स्थापित किया है। डीजीपी उत्तर प्रदेश के निर्देशन और पुलिस कमिश्नरेट नोएडा के पर्यवेक्षण में लगाए गए पवेलियन में नवीनतम सुरक्षा तकनीक, मोबाइल ऐप, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा, कानून प्रवर्तन और आपदा प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी दी जा रही है। पुलिस पवेलियन में अत्याधुनिक हथियार, हाईटेक सुरक्षा उपकरण और फायर फाइटिंग रोबोट लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इसके साथ ही पुलिस तकनीक का लाइव प्रदर्शन भी किया जा रहा है। पवेलियन में एसटीएफ, एटीएस, फायर सर्विस, साइबर क्राइम, महिला सुरक्षा और डायल-112 समेत यूपी पुलिस की 16 विशेष शाखाओं की कार्यप्रणाली की जानकारी दी जा रही है। ट्रेड शो में आने वाले लोग हॉल नंबर-04, स्टॉल नंबर-02/05 स्थित पुलिस पवेलियन में पहुंचकर आधुनिक पुलिसिंग और सुरक्षा तकनीक को करीब से देख सकते हैं। पुलिस का संदेश है– 'सुरक्षा आपकी, संकल्प हमारा।'

डीसीपी ट्रांस हिंडन ने शालीमार गार्डन व टीला मोड़ थानों का लिया जायजा

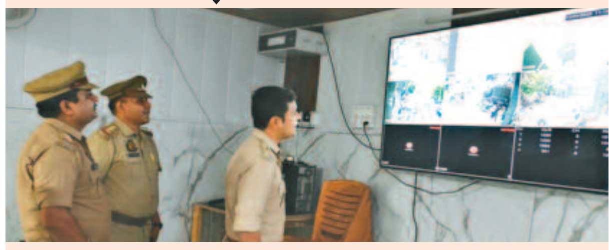

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन श्री ऋजुल ने रविवार को थाना शालीमार गार्डन और थाना टीला मोड़ का भ्रमण कर थाना परिसर, अभिलेखों और पुलिस की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसीपी ने थानों में अभिलेखों के रखरखाव, साफ-सफाई और कार्यप्रणाली की समीक्षा की। उन्होंने पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही ड्यूटी के दौरान सतर्कता बरतने और जनता के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया।

भाजपा के 20 मंडलों में गूंजी 'मन की बात', 2027 के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने का आह्वान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। भाजपा गाजियाबाद महानगर के सभी 20 मंडलों के 362 सेक्टर एवं बूथों पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का प्रसारण सुना गया।

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने बताया कि बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को 2027 के लिए मजबूत करने पर जोर दिया गया। इंदिरापुरम मंडल में जिला प्रभारी अशोक कटारिया ने कार्यकर्ताओं के साथ 'मन की बात' सुनी और संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के 138वें संस्करण में प्रधानमंत्री ने देश की सुरक्षा, सांस्कृतिक विरासत और महिला सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक की बरसी, मोढेरा सूर्य मंदिर तथा प्रतापगढ़ की आंवला प्रसंस्करण से जुड़ी महिलाओं के प्रयासों का उल्लेख किया।

इस अवसर पर गौरव चोपड़ा, पंकज भारद्वाज, रनीता सिंह सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

भगत सिंह जयंती पर लोनी में गूंजा युवाओं का संकल्प, हजारों ने निकाली यात्रा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती के अवसर पर लोनी में युवा भाजपा नेता एवं युवा भारत संकल्प यात्रा के संयोजक राहुल बैसला के नेतृत्व में हजारों युवाओं ने करीब छह किलोमीटर लंबी युवा भारत संकल्प यात्रा निकाली।

यात्रा लोनी के गढ़ी कटैया पार्क से शुरू होकर लोनी नंबर-दो स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर के सामने पहुंची, जहां माल्यार्पण के बाद यात्रा का समापन किया गया। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। संयोजक राहुल बैसला यात्रा के दौरान नंगे पैर रहे। उन्होंने कहा कि यात्रा का उद्देश्य युवाओं को देश और समाज के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देने के साथ लोनी के विकास से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाना है।

यात्रा में युवाओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। कार्यकर्ताओं ने भगत सिंह के विचारों और उनके देश के प्रति समर्पण को याद करते हुए युवाओं से सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

पार्कों में महिला सुरक्षा का ऑडिट: 34 जगह CCTV बंद, 10 पार्कों में एंट्री-एग्जिट अधूरे

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद ने 26 सितंबर को विशेष सुरक्षा ऑडिट अभियान चलाया। कमिश्नरेट के सभी 24 थानों की मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों के पार्कों में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। टीमों ने सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, प्रवेश-निकास गेट, प्रकाश व्यवस्था, डार्क स्पॉट, मोबाइल कनेक्टिविटी और सुरक्षा गार्डों की उपलब्धता की जांच की।

ऑडिट के दौरान 34 पार्कों में CCTV कैमरे बंद मिले, जबकि 10 पार्कों में निर्माण या जीर्णोद्धार के कारण उचित एंट्री-एग्जिट गेट नहीं मिले। कुछ पार्कों में सुरक्षा गार्डों की कमी और अन्य आधारभूत सुविधाओं में भी खामियां सामने आईं।

पुलिस ने संबंधित विभागों एवं स्थानीय निकायों को कमियों की जानकारी देकर सुधार के लिए सूचित किया है। महिला सुरक्षा को लेकर इन पार्कों में मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीमों की नियमित पेट्रोलिंग होगी।

साथ ही यूपी-112 वाहनों के रूट चार्ट की समीक्षा कर पार्कों, बाजारों और संवेदनशील स्थानों पर गश्त बढ़ाई गई है।

ट्रेड शो में छाया गाजियाबाद का विकास मॉडल, GDA ने दिखाई भविष्य की तस्वीर

● हरनंदीपुरम, क्रिकेट स्टेडियम, एयरोसिटी और फ्लाईओवर परियोजनाओं को मिली प्रमुखता

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में चल रहे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) ने शहर के वर्तमान और प्रस्तावित विकास कार्यों की तस्वीर प्रस्तुत की।

GDA के स्टॉल पर हरनंदीपुरम आवासीय योजना, राजनगर एक्सटेंशन में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, हिंडन एयरपोर्ट के आसपास एयरोसिटी टाउनशिप और हापुड़ चुंगी फ्लाईओवर जैसी प्रमुख परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया।

लगभग 501 हेक्टेयर में प्रस्तावित हरनंदीपुरम योजना में आवासीय सेक्टरों के साथ सड़क, पार्क, हरित क्षेत्र और नागरिक सुविधाएं विकसित करने की योजना है। वहीं शहर की कनेक्टिविटी सुधारने के लिए फ्लाईओवर और स्लिप रोड परियोजनाओं को भी प्रमुखता दी गई।

संस्कृति दर्शन पार्क सहित विभिन्न थीम पार्क और प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण की योजनाएं भी प्रदर्शनी का हिस्सा रहीं। GDA ने स्टॉल के माध्यम से सुनियोजित, हरित और आधुनिक गाजियाबाद के विकास विजन को देश-विदेश के आगंतुकों के सामने रखा।

गुलशन पांडे के स्वागत में उमड़ा सपा कार्यकर्ताओं का हुजूम, प्रथम चंदेला की अगुवाई में 200 समर्थकों ने किया भव्य स्वागत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी के युवा नेता एवं कार्यकर्ता प्रथम चंदेला की अगुवाई में फिल्म कलाकार गुलशन पांडे का गांधीनगर स्थित अभिषेक गर्ग, प्रदेश सचिव के कार्यालय पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान सपा से जुड़े करीब 200 कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं की भारी मौजूदगी से कार्यक्रम में उत्साह का माहौल रहा।

स्वागत कार्यक्रम के बाद प्रथम चंदेला अपनी टीम और समर्थकों के साथ चौधरी सिनेमा पहुंचे, जहां सभी ने गुलशन पांडे के साथ 'हनुमान अंश' फिल्म देखी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रथम चंदेला की सक्रियता और संगठन के बीच उनकी भागीदारी की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रथम चंदेला लगातार कार्यकर्ताओं और आम लोगों के बीच सक्रिय रहकर संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। वहीं प्रथम चंदेला ने कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि उनका प्यार, विश्वास और सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम के दौरान 'जय समाजवाद' के नारों से माहौल जोशीला बना रहा।

हाउस टैक्स वृद्धि के विरोध में व्यापारियों के साथ खड़े हुए, बोले-समस्या का हो स्थायी समाधान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। रमतेराम रोड स्थित रामानुज दयाल मार्केट में बी और सी ब्लॉक के व्यापारियों द्वारा संपत्ति कर को लेकर आयोजित धरने में पहुंचकर व्यापारियों के आंदोलन को समर्थन दिया गया। व्यापारियों ने अत्यधिक बढ़ाए गए हाउस टैक्स का पुरजोर विरोध करते हुए नगर निगम से राहत की मांग की। धरने में डी ब्लॉक को संपत्ति कर में शामिल किए जाने के बाद बी और सी ब्लॉक को भी संपत्ति कर के दायरे में शामिल करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इस दौरान कहा गया कि व्यापारी वर्ग चुनाव के समय जनप्रतिनिधियों का समर्थन करता है, लेकिन आज व्यापारियों की समस्या के समाधान के लिए केवल आश्वासन मिल रहे हैं। मांग की गई कि टैक्स का बोझ बढ़ाने के बजाय नगर निगम की वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाने के ठोस प्रयास किए जाएं। इससे निगम की आय बढ़ाने के साथ व्यापारियों और आम जनता पर टैक्स वृद्धि का दबाव कम किया जा सकेगा। व्यापारियों ने समर्थन के लिए आभार जताया।

करंट से नंदी की मौत पर गरमाया मामला, विहिप-बजरंग दल ने दिया धरना

नंदी की मौत पर बिजली विभाग के खिलाफ उठी कार्रवाई की मांग

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। खोड़ा में बिजली के करंट की चपेट में आने से नंदी महाराज की मौत के मामले में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। संगठन ने आरोप लगाया कि सूचना मिलने के बावजूद बिजली की लाइन समय पर बंद नहीं की गई, जिसके चलते नंदी की करंट लगने से मौत हो गई।

कार्यकर्ताओं ने घटना के बाद चिकित्सक को बुलाया और रात करीब एक बजे पोस्टमार्टम कराया। अंतिम संस्कार के लिए नगर पालिका से जेसीबी मांगी गई, लेकिन सहयोग नहीं मिलने पर निजी जेसीबी की मदद से नंदी को पालिका कार्यालय के सामने लाकर प्रदर्शन शुरू किया गया। विहिप की ओर से थाने में लिखित शिकायत देकर संबंधित लाइनमैन के खिलाफ जांच और कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही गौवंश की सुरक्षा के लिए स्थायी व्यवस्था की मांग उठाई गई। अधिशासी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ला ने 24 घंटे जेसीबी और तीन कर्मचारियों की उपलब्धता का लिखित आश्वासन दिया। इसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया।